दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797
उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...
वर्ष : 01 अंक : 92 संभल, शनिवार 14 मार्च 2026 पृष्ठ : 12 मूल्य: 05/-रू.

आवश्यकता है
मेरठ, हापुड़, बरेली, गाज़ियाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरो में जनपद स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की आवश्यकता है।
सम्पर्क सूत्र
मोब.- 8630704122

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

एलपीजी संकट पर संसद में विपक्ष की नारेबाजी

वित्त मंत्री बोलीं- मुश्किल समय में साथ खड़े हों

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का नोटिस

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के 5वें दिन, शुक्रवार को भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने 8 निलंबित सांसदों की वापसी की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो यही एक्शन होगा। लोकसभा में हंगामे का कारण पहले 12 बजे तक कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद दूसरी बार 2 बजे तक फिर से कार्यवाही स्थगित की गई।

2 बजे शुरू हुई कार्यवाही भी केवल 1 घंटा चली। इसके बाद लोकसभा को 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान विपक्ष ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। लोकसभा में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विदेशों में हो रहे घटनाक्रम के कारण हमारे देश में कुछ मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। सरकार जरूरी फंड मुहैया कराने और पूरी तरह तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है। ऐसे समय में विपक्ष को सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए, लेकिन वह गैर-जिम्मेदाराना हरकत कर रहा है। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों ने संसद परिसर में एलपीजी संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया। इधर, पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि टीएमसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के खिलाफ दोनों सदनों में प्रस्ताव दिया है।

सीतारमण बोलीं- आर्थिक स्थिरीकरण कोष सरकार को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1 लाख करोड़ का आर्थिक स्थिरीकरण कोष भारत को वित्तीय गुंजाइश देगा, जिससे वह वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सके। उन्होंने कहा कि यह कोष एक 'बफर' (सुरक्षा कवच) के रूप में काम करेगा, जो पश्चिम एशिया जैसी मौजूदा अप्रत्याशित वैश्विक चुनौतियों से पैदा होने वाले झटकों को झेलने में मदद करेगा। लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को देखते हुए सभी राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित में एक साथ आना चाहिए। इस तरह से बात करनी चाहिए, जिससे जनता को भरोसा मिले और उनमें उम्मीद जगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं कि इस देश के नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि, विपक्ष का मानना है कि सदन के वेल में घुसकर नारे लगाना ही उनकी एकमात्र भूमिका है। यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है और एक खेदजनक स्थिति को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने लगातार असम से झूठ बोला-पीएम मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने असम के लोगों से लगातार झूठ बोला। कांग्रेस की गलत नीतियों ने इस राज्य को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हमने देखा कि बाहरी देशों के युद्ध की वजह से हमारे किसानों पर असर पड़ता है। हमने कृषि को बाहरी संकट से बचाने के लिए आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन दिया है। कांग्रेस ने साबित कर दिया कि वो किसी भी स्थिति देश के लिए ईमानदार नहीं है। मोदी ने कहा कि आज युद्ध की स्थिति में कांग्रेस केवल गलत प्रचार करने में जुटी है। वे केवल देश को अंधेरे में रखना चाहते हैं, देश को गुमराह कर रहे हैं।पीएम 13-14 मार्च को असम के दो दिन के दौर पर हैं। उन्होंने पहले दिन 24,250 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने नॉर्थ ईस्ट के लिए 3 नई ट्रेनों की शुरुआत भी की। पीएम दो दिन में यहां कुल मिलाकर 47800 रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। 14 मार्च को सुबह करीब 10:45 बजे प्रधानमंत्री सिलचर में भूमि पूजन करेंगे और करीब 23,550 करोड़ रुपए के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित करेंगे।

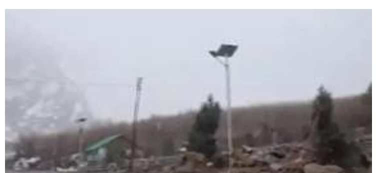

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड-हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी, राजस्थान में तापमान 40 डिग्री पार

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में एकबार फिर बर्फबारी हो रही है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट आई है। यहां स्नोफॉल के साथ बारिश का भी अलर्ट है। हिमाचल में 24 घंटे में तापमान 8एष्ट कम हुआ। मनाली का तापमान 12.6 डिग्री रहा, इसमें 7 डिग्री की कमी आई। वहीं, सोलन में आज हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ में बर्फबारी हुई है। आज 5 जिलों में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट है। इधर देहरादून में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री रहा, यहां गर्मी से लोग परेशान हैं। राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर और बालोतरा में अधिकतम तापमान 39-41 डिग्री के बीच रहा। सबसे ज्यादा 39.4 बाड़मेर में रहा। राज्य के 8 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में आज से हीटवेव का अलर्ट है। नर्मदापुरम में दिन का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री और 10 शहरों में तापमान 38 डिग्री से ज्यादा रहा।

पेनल्टी कॉर्नर

पटेला री पोल

किल्लत हो गई घरेलू गैस की, गली-गली में लगी लाइन
सरकार तो दावा कर रही खूब, नहीं है तंगी स्थिति फाइन
कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रुकी, होटल रेस्टोरेंट बंद
ऐसा लंबा चल गया तो, भूल जाएंगे बाहर के खाने की गंध
..मुखिया जी

प्रधानमंत्री ने की किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नई सोच से बनी किसान कल्याण की नीतियां-मुख्यमंत्री

प्रदेश में किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तान्तरित

हमारी सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी-भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान देश की आत्मा है। इनके सम्मान में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करोड़ों किसान परिवारों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त हस्तान्तरित की है। इनमें राजस्थान के 66 लाख 76 हजार से अधिक किसान शामिल हैं, जिन्हें 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त के हस्तान्तरण कार्यक्रम तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के भूमि पूजन एवं उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दुर्गापुरा के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान से वीसी के जरिए प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में जुड़े और उनका संबोधन भी सुना। इसी कड़ी में शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता में किसान हमेशा से हैं। गत वर्षों में उनके नेतृत्व में किसान संबंधी नीति में नई सोच आई है। अब किसान को देश की ताकत माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दृढ़ संकल्प है कि भारत का किसान समृद्ध बने। इस दिशा में अनेक योजनाएं बनाई गई हैं, जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रमुख है।

वर्ष 2026-27 में कृषि बजट 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने कृषकों के कल्याण को ध्यान में रखकर गत सरकार के अंतिम वर्ष 2023-24 के मुकाबले ऐतिहासिक 34 प्रतिशत की वृद्धि करके वर्ष 2026-27 में कृषि बजट 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये रखा है। वहीं, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत अब तक 16 लाख से अधिक पशुओं की निशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की गई है और पॉलिसी धारकों को लगातार क्लेम वितरण किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन गांवों में सेवा दे रहे हैं। राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में पशुपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध हो रहा है। इस योजना में अब तक 682 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए जा चुके हैं।

फसल बीमा योजना में 6 हजार 473 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम वितरित

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी म में प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई है, जिसके तहत पात्र किसानों को हर साल राज्य सरकार की ओर से 3 हजार रुपये की अतिरिक्त सम्मान राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस सम्मान निधि की राशि को चरणबद्ध रूप से 12 हजार रुपये तक बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित है। फसल बीमा योजना में खराबे पर पूर्ववर्ती सरकार से ज्यादा मुआवजा दिया जा रहा है। इस योजना में अब तक 6 हजार 473 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम राज्य में वितरित किए जा

'सहकार से समृद्धि' की पहल में राजस्थान अग्रणी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' की पहलों को प्रभावी रूप से लागू करने में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। इसी म में अन्न भंडारण योजना के तहत राज्य में 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका है। वर्ष 2026-27 के बजट में भी 500 मीट्रिक टन क्षमता के 50 गोदामों के निर्माण का प्रावधान किया गया है। वहीं, 250 और 100 मीट्रिक टन क्षमता के नए गोदामों के निर्माण तथा पुराने गोदामों के नवीनीकरण से भंडारण क्षमता में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

रोजाना 75.7 लाख सिलेंडर बुक हो रहे

पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं, एलपीजी चिंता का विषय-सरकार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और ईरान की तरफ से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद किए जाने के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई पर दबाव बढ़ने के बीच भारत सरकार ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन अवग-अलग मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से एलपीजी हमारे लिए चिंता का विषय बना हुआ है। सरकार ने बताया कि ईरान जंग के कारण देश में गैस बुकिंग की संख्या में लगभग 20 लाख की बढ़ोतरी हुई है। सरकार की तरफ से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने बताया कि जंग से पहले हर रोज औसतन 55.7 लाख सिलेंडरों की बुकिंग होती थी। अभी एक दिन में लगभग 75.7 लाख गैस बुकिंग हो रही है। सरकार ने कहा कि जंग के माहौल के बीच एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है।

पंजाब में सिलेंडर उठाकर भाग रहे लोग

नई दिल्ली। अमेरिका - इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है।

पीएम मोदी का कोकराझार दौरा रद्द, गुवाहाटी पहुंचे प्रधानमंत्री

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को गुवाहाटी पहुंच गए। हालांकि, खराब मौसम की वजह से उनके कार्यक्रम में अचानक बदलाव करना पड़ा है। प्रधानमंत्री का आज कोकराझार जाने का कार्यक्रम तय था, लेकिन अब उसे रद्द कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इलाके में खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया। अब वे कोकराझार की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन वर्चुअली करेंगे। असम में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री का यह दौरा काफी अहम है। पिछले चार महीनों में यह उनकी चौथी असम यात्रा है। इस यात्रा के दौरान वे राज्य में 47,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। पीएम के कोकराझार का कार्यक्रम रद्द होने की वजह से वे 'असम माला 3.0' योजना की शुरूआत वर्चुअली करेंगे। इस योजना के तहत 900 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सड़कों का निर्माण होगा, जिससे राज्यों के बीच संपर्क बेहतर होगा। साथ ही वे बोडोलैंड क्षेत्र में चार फ्लाईओवर और दो पुलों की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री रेलवे के ढांचे को मजबूत करने के लिए बाशबारी में एक वर्कशॉप की नींव रखेंगे। इसके अलावा, वे तीन नई ट्रेनों- कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस और नारंगी-अगरतला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। किसानों के लिए भी बड़ी खबर है, यहीं प्रधानमंत्री देश के 9.3 करोड़ से अधिक किसानों के लिए पीएम-किसान योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। गुवाहाटी में प्रधानमंत्री चाय बागान के मजदूरों को जमीन के पट्टे सौंपेंगे, जो उनके अधिकारों के लिए एक बड़ा कदम है। ऊर्जा क्षेत्र में वे कोपिली जलविद्युत परियोजना और उत्तर पूर्व गैस ग्रिड के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। शनिवार को प्रधानमंत्री कामाख्या मंदिर के लिए रोपवे परियोजना की नींव रखेंगे और गुवाहाटी में पीएम एकता मॉल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे सिलचर के लिए रवाना होंगे, जहां वे करीब 23,550 करोड़ रुपये की योजनाओं की शुरूआत करेंगे।

हैदराबाद: पति से बहस के बाद शराबी पत्नी ने किया सुसाइड

पंखे पर फंदा डालकर दी जान

नई दिल्ली। हैदराबाद के इसामिया बाजार में किराए के घर में रहने वाली एक महिला ने शराब की लत न छोड़ने के चलते आत्महत्या कर ली है। यह घटना बुधवार, 11 मार्च की है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि महिला को शराब पीने की आदत हो गई थी। पति उससे रोजाना मना करता था। महिला के आत्महत्या करने से पहले भी पति ने उसे शराब पीने के लिए डांटा था। पुलिस के मुताबिक, महिला ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि महिला के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी, जिसकी शादी 10 साल पहले हुई थी, हाल ही में शराब की आदी हो गई थी। इस बात को लेकर बेटी और उसके पति के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। महिला के पिता ने पुलिस को आगे बताया कि उनके दामाद ने उन्हें बुधवार को फोन किया और बताया कि उनकी बेटी ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया है। जब उन्होंने बाहर से आवाज दी, तो बेटी ने न तो दरवाजा खोला और न ही कोई जवाब दिया। बाद में उन्हें बताया गया कि उनकी बेटी ने फांसी लगा ली है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनके दामाद ने अपनी पत्नी को डांटा था और उसे शराब न पीने के लिए कहा था। इसके बाद, वह अपने दोनों बच्चों को नाश्ता कराने के लिए बाहर ले गया। घर लौटने पर उन्होंने देखा कि महिला एक साड़ी के सहारे पंखे से लटकी हुई है। महिला के पति ने तुरंत अपने आस-पास के लोगों की मदद से दरवाजा खोला, उसे नीचे उतारा और एम्बुलेंस बुलाई। एम्बुलेंस के कर्मचारियों ने जांच के बाद बताया कि महिला की मौत हो चुकी है। शिकायतकर्ता ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी की मौत के पीछे किसी पर कोई शक नहीं है। शिकायत के आधार पर, कचीगुडा पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज कर लिया गया है।

संवाद और कूटनीति ही एकमात्र विकल्प

युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, बल्कि यह विनाश, मानवीय संकट और आर्थिक तबाही लाता है। हाल के दिनों में ईरान-इजराइल और मध्य एशिया में चल रहे तनाव के बीच समूचा विश्व सकते है। युद्ध का ऊंट किस करवट बैठेगा, इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। संकट के हालात के बीच भारत को आज राहत तब मिली जब ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारतीय तेल टैंकरों को जाने की अनुमति दे दी। इस सफलता के लिए निश्चित रूप से भारत को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरगची से तीन बार बातचीत की जिसके बाद ये ऐलान हुआ। ईरान ने जो सहूलियत भारत को दी, उससे अमेरिका, यूरोप और इजराइल वंचित हैं। यही कारण है कि गुरुवार को अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव सौ डालर के पार चला गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजशकियान ने जंग रोकने के लिए तीन शर्तें रखी हैं। एक, ईरान को युद्ध का हर्जाना दिया जाए, अमेरिका भविष्य में हमला न करने की गारंटी दे और ईरान के वैध अधिकारों को मान्यता दी जाए। ईरान-इजराइल युद्ध के बीच खाड़ी देशों में पैनिक है। ईरान के हमलों से पहले इन देशों को सुरक्षित माना जाता था। दुबई, दोहा और अबूधाबी जैसे शहरों की ब्रांडिंग सबसे सुरक्षित, सबसे ज्यादा ऐशो-आराम वाले शहरों के रूप में की गई थी। जब लंदन में बड़े भारतीय उद्योगपतियों पर टैक्स बढ़ा दिया गया तो कई अरबपतियों ने दुबई को अपना आशियाना बनाया लेकिन ईरान की बमबारी ने दुबई की इस छवि को ध्वस्त कर दिया। अब भारतीय अरबपति दुबई छोड़कर या तो यूरोप भाग रहे हैं या भारत आ रहे हैं। भारत में घरेलू इस्तेमाल के लिए रसोई गैस की कमी नहीं है लेकिन व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में दिक्कत है। इसका होटल उद्योग पर बुरा असर पड़ा है। उप्र और दिल्ली से लेकर पंजाब और महाराष्ट्र तक, हजारों छोटे रेस्तरां और होटल बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं। होटल और ढाबे चलाने वाले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। सरकार ने एलपीजी और तेल आपूर्ति की निगरानी करने के लिए गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में तीन मंत्रियों की कमेटी बनाई है जिसमें विदेश मंत्री जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीपसिंह पुरी शामिल हैं। फिलहाल जमीनी स्तर पर सरकारी कदमों का असर दिखने लगा है। हालांकि होटल मालिकों की शिकायत है कि उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहा है, गैस एजेंसी वाले कालाबाजारी कर रहे हैं। दक्षिण भारत के राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में व्यावसायिक सिलेंडर की आपूर्ति में किल्लत की वजह से होटल और रेस्तरां बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस समय न तेल की कमी है, न गैस की। सरकार ने कहा है कि गैस और तेल का पर्याप्त स्टॉक है। ये भी बताया है कि और गैस बाहर से मंगवाई जा रही है। पर अफवाहों का बाजार गर्म है। इसीलिए पैनिक में खरीदारी हो रही है। वैसे भी हमारे देश में अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं। लोग उन पर आसानी से यकीन भी कर लेते हैं। अब तो सोशल मीडिया और एआई का जमाना है। सच और झूठ के बीच फर्क कर पाना और मुश्किल है लेकिन लोगों को नरेंद्र मोदी सरकार का संकटकालीन प्रबंध का रिकार्ड देखना चाहिए। कोरोना के काले समय से लेकर अनाज संकट तक, हर बार मोदी सरकार ने अग्रिम तैयारी की, संकट को आने से पहले रोका, इसीलिए न पैनिक की जरूरत है, न घबराने की। अभी किसी को पता नहीं कि जंग कब रुकेगी। ईरान ने तो कहा है कि अगर अमेरिका ने हमले जारी रखे तो एक लीटर तेल भी खाड़ी से बाहर नहीं जाने देगा। ट्रंप और पूरा यूरोप तेल के बढ़ते दाम से परेशान तो है, ट्रंप पर जंग को रोकने का दबाव भी है। हो सकता है कि वो कहें कि हमने ईरान को काफी नुकसान पहुंचा दिया। अब और मारने की जरूरत नहीं है। ईरान को भी अपने घावों पर मरहम लगाने का मौका मिलेगा और वह पड़ोसी मुल्कों पर हमले रोक सकता है। लेकिन ये युद्धविराम होगा, अस्थायी होगा। अच्छा होगा संवाद और कूटनीति के रास्ते कोई ठोस समाधान निकाला जाए।

बड़े जलवायु संकट की चेतावनी है असामान्य गर्मी

भीषण गर्मी

ज्ञानेन्द्र रावत

भारत में गर्मी का बढ़ता संकट अब केवल भविष्य की आशंका नहीं रह गया है, बल्कि इसके संकेत वर्ष 2026 के मार्च महीने की शुरुआत में ही दिखाई देने लगे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में 10 मार्च को अधिकतम तापमान लगभग 35-37 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 6-7 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह उत्तर भारत के कई शहरों में तापमान असामान्य रूप से बढ़ा हुआ है। आगरा में तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि राजस्थान के कई हिस्सों में मार्च की शुरुआत में ही पारा 40 डिग्री के आसपास पहुंचने लगा है। पश्चिमी भारत में भी हालात अलग नहीं हैं–अहमदाबाद में मार्च की शुरुआत में तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग सात डिग्री अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी जल्दी तापमान का इस स्तर तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि गर्मी का मौसम इस बार असामान्य रूप से लंबा और तीखा हो सकता है।

दरअसल, यह केवल कुछ शहरों की अस्थायी स्थिति नहीं है। विभिन्न शोध-अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भारत के आधे से अधिक जिलों पर अत्यधिक गर्मी का खतरा मंडरा रहा है और देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में इसके जोखिम के दायरे में आ चुकी है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के अध्ययन 'हाउ एक्सट्रीम हीट इज इंपैक्टिंग इंडियाः असेसमेंट ऑफ डिस्ट्रिक्ट लेवल हीट रिस्क-2025' तथा 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार देश के 417 जिले उच्च जोखिम और 201 जिले मध्यम जोखिम की श्रेणी में आते हैं। अत्यधिक गर्मी के सबसे अधिक खतरे वाले राज्यों में दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, गोवा, केरल, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं। स्थिति का एक नया और चिंताजनक पहलू यह भी है कि उत्तर भारत के पारंपरिक रूप से शुष्क माने जाने वाले क्षेत्रों में अब तटीय इलाकों जैसी उमस महसूस होने लगी है। सिंधु और गंगा के मैदानी क्षेत्रों में पिछले एक दशक की तुलना में आर्द्रता लगभग 10 प्रतिशत बढ़ गई है। दिल्ली, कानपुर, वाराणसी और जयपुर जैसे शहरों में जहां पहले आर्द्रता का स्तर लगभग 30-40 प्रतिशत के बीच रहता था, वह अब बढ़कर 40-50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे तापमान का प्रभाव और अधिक असहनीय हो जाता है। भारत में अत्यधिक गर्मी से जुड़ा सबसे चिंताजनक रुझान अत्यधिक गर्म रातों, यानी 'हॉट नाइट्स', की बढ़ती संख्या है। वैज्ञानिकों के अनुसार जब रात का तापमान सामान्य से अधिक बना रहता है तो मानव शरीर को दिनभर की थकान से उबरने का अवसर नहीं मिलता। इससे हीट स्ट्रोक और हृदयाघात की आशंका बढ़ जाती है तथा हृदय रोगों से जुड़ी अन्य जटिलताओं का खतरा भी बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान वृद्धि के ये प्रभाव वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार होने से पहले ही दिखाई देने लगेंगे। अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में लाखों घरों और कार्यालयों में कूलिंग सिस्टम की मांग तेजी से बढ़ेगी, जिससे ऊर्जा की खपत और कार्बन उत्सर्जन दोनों में वृद्धि हो सकती है। भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के अनेक विकासशील देश भीषण गर्मी के

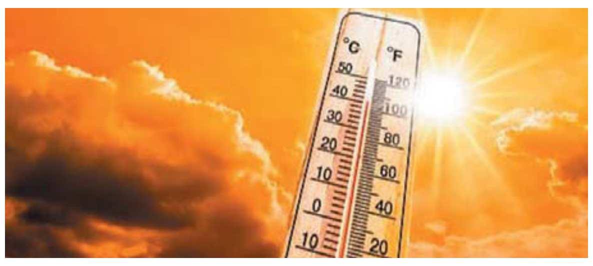

बढ़ते प्रभाव से जूझ रहे हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि औद्योगिक युग के बाद वैश्विक औसत तापमान लगभग 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है तो वर्ष 2050 तक दुनिया की लगभग 41 प्रतिशत आबादी, यानी करीब 3.5 अरब लोग, खतरनाक स्तर की गर्मी का सामना करने के लिए विवश होंगे। वर्ष 2010 में यह आंकड़ा लगभग 23 प्रतिशत था। अध्ययन के अनुसार भारत, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश और फिलीपींस इस संकट से सर्वाधिक प्रभावित हो सकते हैं, जबकि ब्राजील और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में तापमान वृद्धि की गति सबसे तेज रहने की आशंका है। एशिया-प्रशांत डिजास्टर रिपोर्ट 2025 के अनुसार फिजी, पापुआ न्यू गिनी और मार्शल द्वीप जैसे कई द्वीपीय देशों में भी भविष्य में गर्मी का खतरा मध्यम से उच्च स्तर तक पहुंच सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अत्यधिक गर्मी केवल तापमान की समस्या नहीं है, बल्कि यह बहुआयामी संकट बनती जा रही है। इससे अंग विफलता, चक्कर, सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं तथा कई मामलों में यह मृत्यु का कारण भी बन सकती है। शिक्षा, कृषि, श्रम उत्पादकता, जीवन और विस्थापन पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इसी कारण वैज्ञानिकों ने इसे 'साइलेंट किलर' कहा है, क्योंकि यह बिना स्पष्ट चेतावनी के धीरे-धीरे मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है। वर्ष 2026 की शुरुआत में ही दुनिया के कई हिस्सों में भीषण गर्मी, सूखा और जंगलों में आग की घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता का संकेत दे दिया है। वर्ष 1950 के बाद से हीटवेव या लू की आवृत्ति और तीव्रता में लगातार वृद्धि देखी गई है। इसके साथ ही कई विकासशील देशों में कमजोर बुनियादी ढांचा और सामाजिक-आर्थिक असमानताएं भी जोखिम को बढ़ाती हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि अत्यधिक गर्मी के कारण भारत में श्रम उत्पादकता में भारी कमी आ सकती है और देश की सकल घरेलू उत्पाद पर लगभग 4.5 प्रतिशत तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वैज्ञानिकों ने अमेरिका, चीन और भारत में वर्ष के दौरान 23 से 30 अतिरिक्त अत्यधिक गर्म दिनों की संभावना भी व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र ने इस बढ़ते संकट को देखते हुए देशों से तत्काल ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। संगठन के अनुसार मौसम और जलवायु जोखिमों से जुड़ी अधिक सटीक जानकारी को निर्णय प्रणाली और प्रारंभिक चेतावनी तंत्र में शामिल करना जरूरी है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर योजना और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम से जुड़ी समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका के लिए भी गंभीर चुनौती बनती जा रही है। भारत और अन्य उच्च जोखिम वाले देशों के लिए यह स्पष्ट संकेत है कि कृषि प्रणालियों को बदलकर उन्हें अत्यधिक तापमान के अनुकूल बनाना अब समय की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं)

विश्व अनिद्रा दिवस आज

अनिद्रा से बिगड़ता स्वास्थ्य

अरविंद जयतिलक

आज विश्व निद्रा दिवस है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में नींद के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मानव स्वास्थ्य व सेहत के लिए पर्याप्त निद्रा बेहद आवश्यक है। याद होगा कि गत वर्ष पहले फिलिप्स वार्षिक वैश्विक सर्वेक्षण की रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि दुनियाभर में तकरीबन 10 करोड़ लोग अनिद्रा की बीमारी से ग्रसित हैं। दुनिया के 13 देशों (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, फ्रांस, भारत, चीन आस्ट्रेलिया, कोलंबिया, अर्जेंटीना, मैक्सिको, ब्राजील और जापान) के 15 हजार से अधिक व्यस्कों पर किए गए इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया कि 80 प्रतिशत से अधिक लोग अनिद्रा बीमारी से अनभिज्ञ हैं जबकि 30 प्रतिशत लोग नींद लेने और उसे बनाए रखने में दिक्कत महसूस करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी उद्घाटित हुआ था कि देश की राजधनी दिल्ली में 67 प्रतिशत, कोलकाता में 60 प्रतिशत, बेंगलुरु में 59 प्रतिशत तथा चेन्नई 58 प्रतिशत लोग अनिद्रा के शिकार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में तकरीबन 19 प्रतिशत व्यस्कों ने स्वीकार किया कि सामान्य नींद के समय के साथ काम के घंटों का अतिव्यापित होना अनिद्रा का एक प्रमुख कारण है। इसी तरह 32 प्रतिशत व्यस्कों ने स्वीकार किया कि प्रौद्योगिकी भी एक प्रमुख नींद विकर्षण है। अमेरिका की राष्ट्रीय निद्रा फाउंडेशन के मुताबिक 30-40 प्रतिशत अमेरिकी व्यस्कों का कहना है कि उनमें अनिद्रा के लक्षण हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अनिद्रा के कारण कई तरह की बीमारियां पनपती हैं और जीवन प्रत्याशा कम होने की भी संभावना बढ़ जाती है। 16 अध्ययनों के एक विश्लेषण में 10 लाख से अधिक प्रतिभागियों और 112,566 मौतों के अंतर्गत नींद की अवधि और मृत्युदर के बीच के संबंधों की जांच में पाया गया कि जो लोग रात सात से आठ घंटे सोते थे उनकी तुलना में कम सोने वाले व्यक्तियों में मृत्यु का खतरा 12 प्रतिशत ज्यादा होता है। हाल ही में एक अन्य अध्ययन में 38 सालों से सतत निद्रा और मृत्युदर के प्रभावों की जांच में पाया गया है कि सतत अनिद्रा से ग्रसित लोगों की मौत का जोखिम 97 प्रतिशत अधिक होता है। अनिद्रा का दुष्परिणाम यह होता है कि व्यक्ति में हीनता बढ़ती है और उसका यादाशत कमजोर पड़ने लगता है। उसमें चिड़चिड़ापन इस हद तक बढ़ जाता है कि वह सामाजिक रूप से मिलना-जुलना बंद कर देता है। साथ ही थके होने और पर्याप्त नींद न लेने के कारण वाहन दुर्घटनाओं की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। भारत की बात करें तो यहां 66 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया है कि अनिद्रा के कारण उनका स्वास्थ्य और तंदरुस्ती प्रभावित होने के साथ-साथ मानसिक अवसाद बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही खुलासा कर चुका है कि भारत में मानसिक अवसाद के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिनके कई कारणों में से एक कारण अनिद्रा भी है। गत वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी शीर्षक 'डिप्रेशन एवं अन्य सामान्य मानसिक विकार-वैश्विक स्वास्थ्य आकलन' रिपोर्ट में कहा जा चुका है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत और चीन अवसाद से बुरी तरह प्रभावित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में मानसिक अवसाद से ग्रस्त

लोगों की संख्या सर्वाधिक है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में 5.7 करोड़, चीन में 5.5 करोड़, बांग्लादेश में 63.9 लाख, इंडोनेशिया में 91.6 लाख, म्यांमार में 19.1 लाख, श्रीलंका में 8 लाख, थाइलैंड में 28.8 लाख तथा आस्ट्रेलिया में 13.1 लाख अवसाद से ग्रसित लोग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में अवसाद से प्रभावित लोगों की कुल संख्या 32.2 करोड़ है, जिसमें 50 प्रतिशत सिर्फ भारत और चीन में ही हैं। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि अवसाद के अलावा भारत और चीन में चिंता भी बड़ी समस्या है। भारत एवं अन्य मध्य आय वाले देशों में आत्महत्या के सबसे बड़े कारणों में से एक चिंता भी है। देश में बढ़ते अवसाद को ध्यान में रखकर ही केंद्र सरकार द्वारा संसद में मानसिक स्वास्थ्य देखरेख विधेयक पर मुहर लगाया जा चुका है जिसमें मानसिक अवसाद से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखरेख एवं सेवाएं प्रदान करने एवं ऐसे व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण करने का प्रावधान है। चूंकि भारत अशक्त लोगों के अधिकारों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र संधि का हस्ताक्षरकर्ता है लिहाजा उसकी जिम्मेदारी भी थी कि वह इस प्रकार के प्रभावी कानून गढ़ने की दिशा में आगे बढ़े। भारत ने इस दिशा में कदम बढ़ा सामुदायिक स्तर पर अधिकतम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की रचनात्मक और स्वागत योग्य पहल तेज कर दी है। इस पहल से अवसाद से ग्रसित मरीजों के अधिकारों की तो रक्षा होगी ही साथ ही मानसिक रोग को नए सिरे से परिभाषित करने में भी मदद मिलेगी। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो मनोभावों संबंधी दुख है और इस अवस्था में कोई भी व्यक्ति स्वयं का लाचार व निराश महसूस करता है। इस स्थिति से प्रभावित व्यक्ति के लिए सुख, शांति, प्रसन्नता और सफलता को कोई मायने नहीं रह जाता है। वह निराशा, तनाव और अशांति के भंवर में फंस जाता है। अकसर देखा जाता है कि ज्यादतर समय अवसाद छिपा हुआ रहता है क्योंकि इससे ग्रस्त व्यक्ति इस बारे में बात करने से हिचकता है। अवसाद से जुड़ी शर्म की भावना ही इसके इलाज में सबसे बड़ी बाधा है। अवसाद के इलाज में कई किस्मों की साइकोथैरेपी भी मददगार सिद्ध हो रही है। लेकिन सबसे अधिक आवश्यकता अवसादग्रस्त लोगों के साथ घुल-मिलकर उनमें आत्मविश्वास पैदा करने की है। अगर अवसाद की गंभीरता पर ध्यान नहीं दिया गया तो 2030 तक अवसाद दुनिया में सबसे बड़ी मानसिक बीमारी का रूप धारण कर सकती है। अच्छी बात यह है कि दुनियाभर में 77 प्रतिशत लोगों ने अवसाद और बिगड़ते स्वास्थ्य से उबरने के लिए अपनी नींद में सुधार की कोशिश की है। भारत में 45 प्रतिशत व्यस्कों ने ध्यान और योग करने की कोशिश की है जबकि 24 प्रतिशत लोगों ने अच्छी नींद लेने और उसे बनाए रखने के लिए विशेष बिस्तर को अपनाया है। उचित होगा कि सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं कुछ इस तरह के कार्यक्रम गढ़ें जिससे कि लोगों में अच्छी नींद के प्रति जागरूकता बढ़े और वे संतुलित दिनचर्या के प्रति आकर्षित हों।

(लेखक स्तंभकार हैं)

विचारबोध

देश में छुपे कुछ गद्दार इससे सबक तो सीखें!

गिरीश पंकज

पिछले दिनों भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्रिकेट मैच में भारत ने सम्मानजनक जीत हासिल की। न्यूजीलैंड की ओर से भारतीय मूल के ईश सोढ़ी खेल रहे थे। वह न्यूजीलैंड में रहते हैं लेकिन उनकी जन्मभूमि तो भारत है। यही कारण है कि जब भारत का राष्ट्रगान बजा तो सोढ़ी की आंखों से अश्रुधारा बहने लगी। उनके भीतर की भारतीयता जाग उठी। अपने बाल्यकाल में न जाने कितनी बार उन्होंने राष्ट्रगान गाया होगा लेकिन किसी कारणवश वे अब न्यूजीलैंड में रह रहे हैं, और वहां की टीम की ओर से क्रिकेट खेलते हैं। यह उनका खेल धर्म था, जिसका वे पालन कर रहे थे। लेकिन राष्ट्रधर्म भी कोई चीज होती है। यही कारण है कि जब भारत का राष्ट्रगान बजा तो सोढ़ी की आंखों से आंसू बहने लगे। यह होता है देश के प्रति प्रेम। दुर्भाग्य की बात है कि हमारे देश में ऐसे अनेक एहसानफरामोश और गद्दार लोग हैं जो राष्ट्रगान होने पर खड़े भी नहीं होते। आंसू बहाना तो दूर की बात है। यह अजीब किस्म का देश बनता जा रहा है, जहां देश भक्त कम, गद्दार अधिक नजर आ रहे हैं। राष्ट्रगान सुनकर भावुक होने वाले भी अपने देश में हैं, लेकिन हर व्यक्ति को राष्ट्रगान सुनकर इसी तरह से भावुक होना चाहिए, जैसा भावुक सोढ़ी हुए। दूसरी दुनिया के खिलाड़ी भी जब राष्ट्रगान दोहराते हैं तो उनके चेहरे की भावनाएं हम देखकर समझ सकते हैं कि वे अपने देश को, अपने राष्ट्रगान को कितना प्यार करते हैं। लेकिन हमारे यहां तथाकथित बुद्धिजीवी राष्ट्रगान के सम्मान में न खड़े होने के लिए न जाने कैसे-कैसे तर्क देने लगते हैं। इन तमाम नालायकों को न्यूजीलैंड की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के सोढ़ी को देखकर कुछ तो सबक सीखना चाहिए। कुछ तो शर्मिंदगी महसूस करना चाहिए कि हम राष्ट्रगान के प्रति अवमानना से क्यों भरे होते हैं। वहीं न्यूजीलैंड जाकर बस गया एक भारतीय आज भी राष्ट्रगान सुनकर भावुक हो जाता है,रोने लगता है। ऐसी ही अपनी औलादों को देखकर भारत मां प्रसन्न होती होगी। ऐसे ही महान लोगों के लिए तो कविवर स्नेही जी कविता लिखते हैं कि

'जो भरा नहीं है भावों से,
जिसमें बहती रसधार नहीं
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।'

न्यूजीलैंड के सोढ़ी ने बता दिया कि उनका हृदय भाव से भरा हुआ है। उनका हृदय पत्थर का नहीं है। उसमें आज भी भारतीयता धड़कती है। आज भी वह भारत देश से प्यार करते हैं। अगर नहीं कर रहे होते तो राष्ट्रगान सुनकर उनकी आंखों से आंसू भला क्यों बहते? आंसू बह रहे हैं, इसका मतलब है वह अपनी मां से स्नेह करते हैं। अपनी भारत माता से प्यार करते हैं। भले ही न्यूजीलैंड में रह रहे हैं। वहां के लिए खेल रहे हैं लेकिन हृदय से भारतीय हैं। ऐसे लोगों को जब हम देखते हैं तो गर्व से भर उठते हैं। और बरबस कह उठते हैं वाह-वाह! धन्य हो तुम और धन्य है यह भारत भूमि, जहां ऐसे लाल ने जन्म लिया। और लगे हाथ सबक भी सिखा जाता है उन गद्दार लोगों, को जो इस देश में रहते हैं, इस देश का अन्न खाते हैं, यहां का जल पीते हैं और कहते हैं कि 'हम भारत माता की जय नहीं बोलेंगे.. वंदे मातरम नहीं बोलेंगे।.. हम राष्ट्रगान के दौरान खड़े नहीं होंगे।' तुलसीदास जी ने अगर कहा है 'भय बिन होय न प्रीत',तो गलत नहीं कहा। जब तक हम गद्दारों के प्रति कड़ी कार्रवाई नहीं करेंगे, उनके भीतर देश के प्रति प्रीत नहीं जगेगी। भले ही वह भय से उपजी हो। लेकिन यह प्यार उपजना ही चाहिए। अगर नहीं उपजता,तो ऐसे लोगों को यह देश फौरन ही छोड़ देना चाहिए।

(लेखक स्तंभकार हैं)

एनसीईआरटी : शिक्षा का उद्देश्य विवेकपूर्ण सोच विकसित करना

शिक्षा, न्यायपालिका और पाठ्यक्रम में भ्रष्टाचार

डॉ. पंकज वाधवानी

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में समय-समय पर यह बहस उठती रही है कि विद्यालयी पाठ्यक्रम में किन विषयों को शामिल किया जाना चाहिए और किन्हें नहीं। जब एनसीईआरटी द्वारा एक ऐसा अध्याय जोड़ा गया जिसमें न्यायपालिका में संभावित भ्रष्टाचार की चर्चा थी, तब इस पर सार्वजनिक विमर्श के साथ-साथ न्यायिक असहमति भी सामने आई। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकार की सामग्री पर चिंता व्यक्त की थी कि इससे संस्थागत विश्वास प्रभावित हो सकता है। यह प्रसंग केवल एक अध्याय का नहीं है, बल्कि व्यापक प्रश्न का है कि शिक्षा का उद्देश्य क्या हो और पाठ्यक्रम निर्धारण की सीमा क्या हो। यदि विषय को संतुलित, तथ्यात्मक और संस्थागत गरिमा के साथ पढ़ाया जाए, तो यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है। विरोध करने वालों की आशंका यह रहती है कि, संस्थाओं की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, अप्रमाणित या सामान्यीकृत आरोप बच्चों के मन में अविश्वास पैदा कर सकते हैं, कम आयु के विद्यार्थियों में संस्थागत भ्रम उत्पन्न हो सकता है, विशेष रूप से न्यायपालिका के संदर्भ में यह तर्क दिया गया कि न्यायालयों की निष्पक्षता पर अविश्वास का वातावरण बनाना उचित नहीं है, क्योंकि न्यायपालिका लोकतंत्र का आधार स्तंभ है। पाठ्यक्रम निर्धारण का संवैधानिक और विधिक परिप्रेक्ष्य शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। केंद्र और राज्य दोनों को पाठ्यक्रम संबंधी नीति निर्धारण का अधिकार है। प्रश्न यह है कि क्या पाठ्यक्रम पर कोई स्वतंत्र नियामक तंत्र होना चाहिए? संतुलन और निष्पक्षता सुनिश्चित करना, राजनीतिक या वैचारिक प्रभाव से बचाव, विशेषज्ञ समीक्षा और पारदर्शिता, संवेदनशील विषयों के लिए आयु-अनुकूल प्रस्तुति, यदि एक बहु-सदस्यीय स्वतंत्र शैक्षणिक समीक्षा आयोग हो जिसमें शिक्षाविद्, विधि विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री शामिल हों, तो विवादास्पद विषयों का संतुलित आकलन संभव है। न्यायपालिका पर आलोचनात्मक विमर्श लोकतंत्र का हिस्सा है। विधि शिक्षा में तो न्यायिक निर्णयों की समीक्षा सामान्य प्रक्रिया है। प्रश्न यह है कि विद्यालय स्तर पर किस प्रकार की भाषा और दृष्टिकोण अपनाया जाए। यदि पाठ्यक्रम में निम्नलिखित दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो संतुलन संभव है, संस्थागत संरचना और कार्यप्रणाली का विवरण, जवाबदेही की व्यवस्थाएं जैसे इम्पीचमेंट प्रक्रिया, भ्रष्टाचार निरोधक कानूनों का परिचय, व्यक्तिगत आरोपों से बचते हुए प्रणालीगत चर्चा, इस प्रकार छात्र समस्या और समाधान दोनों को समझ पाएंगे। केवल आदर्श चित्र प्रस्तुत करना शिक्षा नहीं है, और केवल नकारात्मक चित्र प्रस्तुत करना भी शिक्षा नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य विवेकपूर्ण सोच विकसित करना है। यदि भ्रष्टाचार जैसे विषय को पाठ्यक्रम से पूरी तरह बाहर रखा जाए, तो छात्र वास्तविक सामाजिक चुनौतियों से अनभिज्ञ रहेंगे। यदि उसे असंतुलित रूप में प्रस्तुत किया जाए, तो संस्थागत विश्वास प्रभावित हो सकता है। इसलिए समाधान बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार प्रस्तुति में है। भ्रष्टाचार पर पाठ होना चाहिए, परंतु सावधानी और संतुलन के साथ। न्यायपालिका या किसी भी संवैधानिक संस्था की आलोचनात्मक चर्चा तथ्यों पर आधारित और संस्थागत मर्यादा के अनुरूप होनी चाहिए। एक पारदर्शी, बहु-स्तरीय समीक्षा तंत्र पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और संतुलन सुनिश्चित कर सकता है, परंतु ऐसा तंत्र अकादमिक स्वतंत्रता को बाधित न करे। अंततः शिक्षा का लक्ष्य ऐसा नागरिक तैयार करना है जो न तो अंधविश्वासी हो और न ही निराधार संदेह से ग्रस्त, बल्कि जो संविधान, संस्थाओं और नैतिक मूल्यों को समझते हुए सुधार की दिशा में सोच सके।

(लेखक अधिवक्ता एवं विधि विशेषज्ञ हैं)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''गिलेडविन मसीह'' के लिए ''बुलंद मंज़िल'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

मकान पर कब्जे की कोशिश का आरोप, महिला ने जिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। तहसील धनौरा क्षेत्र के ग्राम हैबतपुर चौधरियान में एक महिला ने गांव के कुछ लोगों पर उसके मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गांव हैबतपुर चौधरियान निवासी इमराना पत्नी शौकीन ने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि वह एक शांतिप्रिय और सीधे स्वभाव की महिला है तथा अपने परिवार के साथ गांव में रहकर जीवन यापन कर रही है। पीड़िता के अनुसार गांव के ही कुछ लोग उसके मकान और जमीन पर कब्जा करने की नीयत से लगातार दबाव बना रहे हैं। इमराना का आरोप है कि गांव के कमरुद्दीन, बजलुद्दीन, नासिरुद्दीन, सिराजुद्दीन, शिराजुद्दीन और निजामुद्दीन सहित कुछ अन्य लोगों ने मिलकर उसके मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की। आरोपियों ने गाटा संख्या 187, रकबा लगभग 3.978 हेक्टेयर में स्थित उसके हिस्से के मकान को अपना बताते हुए वहां कब्जा करने का प्रयास किया। पीड़िता के अनुसार जब उसने इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ अभद्रता और मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोप है कि दबंगों ने मकान की पिछली दीवार तक तोड़ दी, जिससे उसे काफी नुकसान हुआ। घटना के बाद से पीड़िता और उसका परिवार भय और दहशत के माहौल में जीने को मजबूर है।

महिला का कहना है कि वह एक इज्जतदार और शरीफ परिवार से ताल्लुक रखती है और इस तरह की घटना से वह मानसिक रूप से भी काफी परेशान हो गई है। इमराना ने बताया कि इस मामले की शिकायत उसने पहले भी थाना धनौरा में प्रार्थना पत्र देकर की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस या संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई है। न्याय की उम्मीद में पीड़िता ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही उसने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की भी अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। प्रशासन द्वारा मामले की जांच कराए जाने के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अलविदा जुम्मा की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

दैनिक बुलंद मंजिल / सर्वेश यादव

अमरोहा। जनपद में रमजान के आखिरी जुमे यानी अलविदा जुम्मा की नमाज शुक्रवार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में अदा की गई। नमाज के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और जिले भर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई। प्रमुख मस्जिदों, संवेदनशील स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। इसके अलावा पुलिस अधिकारियों ने लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में पहुंचकर इबादत की। इस दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने विशेष सतर्कता बरती, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए। यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रूप से संचालित किया गया, जिससे नमाजियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिसकर्मी संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहे और ड्रोन तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखा। पुलिस प्रशासन की सतर्कता और लोगों के सहयोग से पूरे जनपद में अलविदा जुम्मा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अमरोहा पुलिस सभी धर्मों के त्योहारों और धार्मिक आयोजनों को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। आगे भी इसी तरह सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाती रहेगी।

जनगणना के आंकड़ों से तय होगी विकास की दिशा, डीएम ने दिए सटीकता के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकानसूची एवं मकानों की गणना के लिए जिला स्तर पर आयोजित फील्ड ट्रेनरों के प्रथम बैच का प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हो गया। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 13 मार्च तक पैनसिया कॉलेज अमरोहा में आयोजित किया गया, जिसमें 32 फील्ड ट्रेनरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर जिलाधिकारी ने फील्ड ट्रेनरों को संबोधित करते हुए जनगणना कार्य की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश की नीतियों और योजनाओं की आधारशिला है। इसलिए यह कार्य पूरी पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्धता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जब भी किसी परिवार से जानकारी ली जाए तो उसे पूरी सावधानी और सही तरीके से प्रपत्रों में दर्ज किया जाए तथा प्राप्त जानकारी की गोपनीयता हर हाल में बनाए रखी जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि फील्ड में कार्य करते समय सभी गणनाकर्मियों को लोगों से विनम्रता और सम्मान के साथ बातचीत करनी चाहिए, ताकि आमजन सहयोग के साथ सही जानकारी उपलब्ध करा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान एकत्रित की गई किसी भी व्यक्ति या परिवार की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा नहीं की जानी चाहिए। यह पूरी तरह गोपनीय प्रक्रिया है और इसका पालन करना प्रत्येक कर्मी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान गणनाकर्मियों को जनगणना से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं, प्रपत्रों और तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई है। इन सभी बातों को भली-भांति समझकर फील्ड में लागू किया जाए, जिससे कार्य के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। यदि किसी भी स्तर पर कोई परेशानी आती है तो उसका समाधान प्रशासन द्वारा किया जाएगा। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भारत सरकार और राज्य सरकारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है और संसाधनों का सही तरीके से वितरण किया जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक आंकड़ा सही और प्रमाणिक रूप से संकलित किया जाए। उन्होंने बताया कि फील्ड ट्रेनरों के दूसरे बैच का प्रशिक्षण 16 मार्च से शुरू होकर 18 मार्च तक चलेगा, जिसमें अन्य प्रशिक्षणार्थियों को भी जनगणना कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर अमल यादव, आलोक कुमार तथा जिला प्रभारी व्यास नंदन सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

नोएडा में नौकरी, गजरौला में मौत—ट्रेन हादसे ने छीनी युवक की जिंदगी

दैनिक बुलंद मंज़िल

मृतक सुरजीत का फाइल फोटो

गजरौला ब्यूरो। थाना क्षेत्र के भानपुर रेलवे फाटक पर तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार गजरौला के मोहल्ला शिवपुरी भूत वाली गली निवासी गुरजीत पुत्र राकेश (सलाहकार) की शुक्रवार को भानपुर रेलवे फाटक के पास ट्रेन से कटकर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक रेलवे ट्रैक के पास मौजूद था, तभी तेज गति से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि आसपास मौजूद लोग सहम गए।

बताया जा रहा है कि मृतक युवक पिछले कुछ दिनों से नोएडा स्थित महिंद्रा कंपनी के शोरूम में काम कर रहा था और किसी काम से अपने घर गजरौला आया हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हादसा है या फिर कोई अन्य कारण, पुलिस जांच के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

चकमार्ग पर दोबारा अवैध कब्जा, पिलर लगाकर तारबंदी और पेड़ रोपे: दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम जीहल की मढ़ैया में चकमार्ग पर दोबारा अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। राजस्व विभाग द्वारा कब्जा हटाए जाने के बाद भी आरोपियों ने दोबारा चकमार्ग पर पिलर लगाकर तारबंदी कर दी और पेड़ लगाकर रास्ते को घेर लिया। मामले में लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को राजस्व लेखपाल ने थाना सैदनगली में तहरीर देकर बताया कि ग्राम जीहल की मढ़ैया स्थित चकमार्ग गाटा संख्या 984 रकबा 0.180 हेक्टेयर पर अवैध कब्जे की शिकायत थाना समाधान दिवस में की गई थी। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने मंगलवार को पुलिस बल और ग्रामीणों की मौजूदगी में मौके पर पहुंचकर चकमार्ग से अवैध कब्जा हटवा दिया था।

आरोप है कि कब्जा हटाने के बाद भी शिवम पुत्र तेजपाल सिंह और तेजपाल पुत्र महेंद्र, निवासी ग्राम जीहल की मढ़ैया, तहसील हसनपुर जनपद अमरोहा ने दोबारा चकमार्ग पर पिलर लगाकर तारबंदी कर दी और पेड़ लगाकर फिर से अवैध कब्जा कर लिया। इससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने के साथ ही सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि लेखपाल की तहरीर के आधार पर शिवम पुत्र तेजपाल सिंह और तेजपाल पुत्र महेंद्र के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरटीसी डिडौली में एसपी ने ली शुक्रवार परेड की सलामी, रिक्रूट आरक्षियों का किया निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने शुक्रवार को आरटीसी कैंपस डिडौली में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर पुलिसकर्मियों व प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड की एकरूपता, अनुशासन और प्रशिक्षण व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

शुक्रवार को आयोजित परेड में पुलिस अधीक्षक ने रिक्रूट आरक्षियों की ड्रिल, चाल-ढाल, अनुशासन और प्रशिक्षण स्तर का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने टोलीवार ड्रिल कराते हुए परेड में एकरूपता बनाए रखने और अनुशासन का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और अनुशासित पुलिस बल के लिए नियमित प्रशिक्षण और परेड अत्यंत महत्वपूर्ण है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट आरक्षियों की सराहना करते हुए सभी को कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा करने की प्रेरणा दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने यूपी-112 की पीआरवी वाहनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण उपकरण, फर्स्ट ऐड किट तथा अन्य जरूरी संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया और उनके नियमित रख-रखाव व साफ-सफाई के निर्देश दिए। पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों से उपकरणों के संचालन, उपयोग और आपातकालीन परिस्थितियों में उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी ली। इसके अतिरिक्त पुलिस कर्मियों से शस्त्र संचालन का अभ्यास भी कराया गया, ताकि आपात स्थितियों में वे बेहतर ढंग से अपनी जिम्मेदारी निभा सकें। साथ ही फील्ड यूनिट टीम का निरीक्षण करते हुए घटनास्थल की जांच प्रक्रिया और अपराधों की विवेचना में वैज्ञानिक तरीकों के उपयोग के संबंध में भी जानकारी साझा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिसकर्मियों को सतर्कता, अनुशासन और जनता के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग के लिए प्रशिक्षण, अनुशासन और तकनीकी दक्षता बेहद जरूरी है।

रमजान के चौथे जुमे पर मस्जिदों में उमड़े नमाजी, अमन-चैन के लिए मांगी दुआ

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। रमजान माह के चौथे जुमे पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजी उमड़े। लोगों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जुमे की नमाज अदा कर देश में अमन-चैन, शांति और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगीं।

नगर के मोहल्ला कायस्थान, आखून चौक, नवाबान, काला शहीद और रहरा रोड समेत प्रमुख इलाकों की मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भरी रहीं। वहीं तहसील क्षेत्र के सिहाली जागीर, ढवारसी, बावनखेड़ी और कालाखेड़ा गांवों की मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने जुमे की नमाज अदा की। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग नमाज की तैयारियों में जुटे रहे और मस्जिदों की ओर रुख करते दिखाई दिए।

नगर पालिका प्रशासन ने मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाकर चूने का छिड़काव कराया, जिससे नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। सभी प्रमुख मस्जिदों के बाहर पर्याप्त पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई थी, ताकि नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

नगर की जामा मस्जिद में शहर इमाम मुफ्ती मेराज अहमद ने जुमे की नमाज अदा कराई। नमाज के बाद उन्होंने रोजेदारों को रमजान की फजीलत के बारे में बताया और कहा कि यह महीना इंसान को सब्र, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देता है।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगामी ईद-उल-फितर की नमाज ईदगाह में सुबह 7:45 बजे अदा की जाएगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को जुमे की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश

मिशन शक्ति-5 के तहत सैदनगली में महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुलंद मंजिल

सैद नगली ब्यूरो। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत थाना सैदनगली क्षेत्र में महिला सुरक्षा दल ने जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं और छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों तथा साइबर अपराध से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में चल रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत थाना सैदनगली पर तैनात शक्ति दीदी और बीट आरक्षियों ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं से संवाद किया। इस दौरान उन्हें सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

महिला सुरक्षा दल ने कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं और महिलाओं को पम्पलेट वितरित किए, जिनमें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई थी। उन्हें यूपी-112, महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 तथा अन्य महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में बताया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद ली जा सके। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों ने साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए महिलाओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी। उन्हें बताया गया कि यदि किसी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी का सामना करना पड़े तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। थाना सैदनगली पुलिस द्वारा आगे भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जाते रहेंगे।

सैदनगली पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस सहित युवक को किया गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
सैद नगली ब्यूरो। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सैदनगली पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में थाना सैदनगली पुलिस टीम ने यह सफलता प्राप्त की। थानाध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक युवक को हिरासत में लिया गया। पुलिस पूछताछ में उसकी पहचान प्रमोद पुत्र रामप्रकाश निवासी मोहल्ला बाल्मीकि कस्बा उझारी थाना सैदनगली जनपद अमरोहा के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में थाना सैदनगली में मुकदमा संख्या 73/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वर्ष 2022 में उसके खिलाफ थाना सैदनगली में धारा 323, 504 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अनिल कुमार त्यागी, कांस्टेबल रोहित कुमार और कांस्टेबल रामकुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न, एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंजिल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। जनपद में आयोजित उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा शुक्रवार को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न हुई। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर व्यापक इंतजाम किए गए।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने परीक्षा के दौरान जिले के कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो सके।

एसपी ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था, प्रवेश और निकास व्यवस्था, पार्किंग तथा यातायात व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं और परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि सामने आने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं।

इस दौरान नोडल अधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया भी मौजूद रहे। उन्होंने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी और व्यवस्थाओं के चलते जिले में उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार की परीक्षाओं को निष्पक्ष और सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा।

मिशन-500 से अमरोहा में जल क्रांति, 291 अमृत सरोवरों ने बदली गांवों की तस्वीर

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। जनपद में जल संरक्षण और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की पहल पर शुरू किया गया ह्यमिशन-500 (अमृत सरोवर योजना) अब जमीन पर असर दिखाने लगा है। इस योजना के तहत जिले में सैकड़ों तालाबों का जीर्णोद्धार और कायाकल्प कराया जा रहा है, जिससे जहां जल संरक्षण को मजबूती मिल रही है वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीणों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर शुरू किए गए इस मिशन के अंतर्गत जनपद में कुल 501 तालाबों के पुनर्जीवन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इनमें से पहले चरण में 340 तालाबों को चिन्हित कर कार्य शुरू कराया गया। प्रशासनिक सक्रियता और विभागीय समन्वय के चलते इन 340 तालाबों में से 291 का जीर्णोद्धार और विकास कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है, जबकि शेष तालाबों पर तेजी से कार्य जारी है। कई स्थानों पर इन तालाबों को मॉडल अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया गया है, जो अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं।

यह योजना केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक मनरेगा के माध्यम से 62,947 परिवारों के कुल 75,310 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। मनरेगा के अंतर्गत होने वाले कार्यों में 65 प्रतिशत से अधिक कार्य जल संरक्षण से जुड़े हैं, जिनमें तालाबों का निर्माण, गहरीकरण और मरम्मत प्रमुख रूप से शामिल हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है और पलायन की समस्या भी कम हो रही है।

तालाबों के जीर्णोद्धार और विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ग्राम सभा की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। ग्राम पंचायतों के माध्यम से कार्यों की योजना बनती है और सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया के जरिए उनकी निगरानी भी की जाती है। मनरेगा के तहत जॉब कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को भी तेज किया गया है और सभी कार्यों की जानकारी नरेगा सॉफ्ट पोर्टल पर दर्ज की जा रही है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और जवाबदेह बनी रहे।

पुनर्जीवित किए गए अमृत सरोवरों से किसानों और ग्रामीणों को कई प्रकार से लाभ मिल रहा है। इन तालाबों से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिल रहा है और भूजल स्तर में सुधार के संकेत भी दिखाई देने लगे हैं। तालाबों के किनारे मनरेगा के तहत पौधारोपण, पाथवे निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य भी कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही अन्य विभागों के समन्वय से बैठने की व्यवस्था और सार्वजनिक उपयोग की सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

इन तालाबों का उपयोग बहुआयामी बनाया जा रहा है। सिंचाई के साथ-साथ इन्हें मत्स्य पालन, पशुपालन और अन्य आजीविका गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है, जिससे ग्रामीणों की आय बढ़ाने में मदद मिल सके। तालाबों की दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए पुराने तालाबों से गाद निकालने और उनके सुदृढ़ीकरण की व्यवस्था भी की गई है। प्रशासन की योजना है कि मिशन-500 के तहत चिन्हित सभी तालाबों को अवैध कब्जों से मुक्त कराया जाएगा। इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है और आने वाले समय में कब्जा मुक्त कराकर इन तालाबों का भी जीर्णोद्धार कराया जाएगा, ताकि जल संरक्षण और ग्रामीण विकास की यह पहल और अधिक प्रभावी बन सके।

अमरोहा देहात पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
अमरोहा ब्यूरो। अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अमरोहा देहात पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए विधिक प्रक्रिया पूरी की।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नौगांव सादात अवधभान सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना अमरोहा देहात पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक शोकेन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान नाजिर पुत्र जब्बार अहमद, उम्र लगभग 32 वर्ष, निवासी मोहल्ला तलवार शाह गली नंबर 3 थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे धारा 170, 126 और 135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम ने आरोपी को आवश्यक पूछताछ के बाद हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद उसे समय से माननीय न्यायालय सदर अमरोहा के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। अमरोहा देहात पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

चोरी के मामले में आरोपी को ढाई साल की सजा, कोर्ट ने सुनाया फैसला

दैनिक बुलंद मंजिल/ सर्वेश यादव
अमरोहा। चोरी के एक मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए दो साल से अधिक की सजा सुनाई है। अमरोहा पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते यह फैसला आया, जिसे पुलिस ने कानून के प्रति सख्त संदेश बताया है।

जानकारी के अनुसार थाना डिडौली में वर्ष 2023 में दर्ज मुकदमा संख्या 493/2023 धारा 457, 380 और 411 आईपीसी से जुड़े मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी मोहम्मद आमिर पुत्र मोहम्मद इम्तयाज निवासी ग्राम सैंतली थाना डिडौली जनपद अमरोहा को दोषी पाया। अदालत ने आरोपी को 2 वर्ष 5 माह 11 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 1,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

यह मामला घर में घुसकर चोरी करने की घटना से संबंधित था। घटना के बाद थाना डिडौली पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया था और उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अदालत में साक्ष्य और गवाहों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। अमरोहा पुलिस द्वारा की गई मजबूत पैरवी के चलते न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्यायालय में प्रभावी पैरवी के माध्यम से उन्हें सजा दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। इससे समाज में कानून का भय बना रहता है और अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलती है।

अमरोहा पुलिस ने कहा कि भविष्य में भी चोरी, लूट और अन्य आपराधिक मामलों में इसी तरह सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों को सजा दिलाने का प्रयास जारी रहेगा, ताकि आमजन को सुरक्षित माहौल मिल सके।

पीएम किसान की 22वीं किस्त जारी, अमरोहा के किसानों के खातों में सीधे पहुँची करोड़ों की मदद

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव
अमरोहा। जनपद के किसानों के लिए शुक्रवार का दिन खुशखबरी लेकर आया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के रूप में जिले के लगभग 2 लाख 61 हजार 500 किसानों के बैंक खातों में प्रति किसान 2000 रुपये के हिसाब से कुल 52.23 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा असम से वर्चुअल माध्यम से देशभर के 9 करोड़ 32 लाख से अधिक किसानों के खातों में 18 हजार 640 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर किए जाने का लाइव प्रसारण भी देखा गया। इस दौरान जिले के किसानों और अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और योजना की जानकारी प्राप्त की। मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय गन्ना किसानों को भुगतान के लिए कई-कई साल इंतजार करना पड़ता था, लेकिन वर्तमान सरकार में गन्ना भुगतान समय से किया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे खेती-किसानी को मजबूती मिल रही है। एमएलसी ने किसानों से प्राकृतिक और जैविक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है। इसलिए किसानों को प्राकृतिक खेती और जहर मुक्त खेती की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। उन्होंने किसानों को श्रीअन्न तथा उड़द के बीज के निःशुल्क मिनी किट भी वितरित किए। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना वर्ष 2017 से लगातार संचालित हो रही है और इसका उद्देश्य किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि योजना की 22वीं किस्त के तहत जिले के लाखों किसानों के खातों में राशि भेजी गई है, जिससे किसानों को खेती के कार्यों में मदद मिलेगी।

उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी तक पूरी नहीं हुई है, वे जल्द से जल्द इसे पूर्ण करा लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में केवल उन्हीं किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिलेगा जिनकी फार्मर रजिस्ट्री पूरी होगी।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि किसानों को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ मिट्टी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए रासायनिक खाद के प्रयोग को कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान जिला कृषि अधिकारी ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी किसानों को विस्तार से दी। साथ ही किसानों को श्रीअन्न के बीज मिनी किट वितरित किए गए और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की पहली किस्त प्राप्त करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, कृषि विभाग के अधिकारी तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त मिलने से जिले के किसानों में खुशी का माहौल देखा गया।

वारंट पर महिला गिरफ्तार, पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

दैनिक बुलंद मंजिल
हसनपुर ब्यूरो। न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन के तहत थाना हसनपुर पुलिस ने एक महिला वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को न्यायिक आदेशों के पालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में थाना हसनपुर पुलिस टीम ने महिला वारंटी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार महिला की पहचान चन्द्रवती पत्नी ब्रजलाल निवासी ग्राम हथियाखेड़ा थाना हसनपुर जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। उसके खिलाफ न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-01 जनपद अमरोहा से वारंट जारी किया गया था। यह मामला क्राइम नंबर 355/2025 से संबंधित है, जिसमें धारा 446 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की जा रही थी।

पुलिस टीम ने वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए महिला को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे समय से माननीय न्यायालय में पेश कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि न्यायालय से जारी वारंटों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फरार और वांछित वारंटियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है, ताकि कानून का पालन सुनिश्चित हो सके। थाना हसनपुर पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और न्यायिक आदेशों के अनुपालन के लिए आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

गैस आपूर्ति को लेकर सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उठाई आवाज, सरकार से तुरंत कदम उठाने की मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल /उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

धामपुर/बिजनौर। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच देश में गैस आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्र सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से यह बताया गया है कि देश में कच्चे तेल और गैस की कोई कमी नहीं है तथा घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम (एरटअ) लागू किया गया है। इसके बावजूद कई स्थानों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति में समस्याएं सामने आ रही हैं, जिनका शीघ्र समाधान किया जाना आवश्यक है।उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक यह संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता, तब तक मिड-डे मील संचालित करने वाले विद्यालयों को उनकी आवश्यकता के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर की निरंतर और प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों के भोजन की व्यवस्था प्रभावित न हो। सांसद ने यह भी कहा कि शादी-विवाह जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग को सीमित और नियंत्रित तरीके से अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और गैस की उपलब्धता संतुलित बनी रहे।उन्होंने कहा कि इस संकट की स्थिति में गैस आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी और संतुलित बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सरकार और संबंधित विभागों को प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि किसी भी क्षेत्र में गैस की कृत्रिम कमी या अव्यवस्था की स्थिति पैदा न हो।सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी, जिससे देशभर में गैस आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनी रहे और आम लोगों को राहत मिल सके।

11 साल पुराने लूट कांड में सजाः आरोपी को 5 साल से अधिक की कैद

दैनिक बुलंद मंजिल/ सर्वेश यादव

अमित कुमार आनंद पुलिस अधीक्षक अमरोहा

अमरोहा। करीब 11 साल पुराने लूट के मामले में आखिरकार अदालत का फैसला आ गया। अमरोहा पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने आरोपी को पांच साल से अधिक की सजा सुनाई है। फैसले के बाद पुलिस ने इसे कानून के प्रति सख्त संदेश बताया है। थाना डिडौली में वर्ष 2015 में दर्ज मुकदमा संख्या 149/2015 धारा 394 व 411 आईपीसी से जुड़े मामले में सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी अर्जुन पुत्र ओमप्रकाश हाल निवासी ब्रह्मपुरी, गली नंबर-4, मास्टर कॉलोनी थाना ब्रह्मपुरी जिला मेरठ को दोषी करार दिया। अदालत ने उसे 5 वर्ष 3 माह 12 दिन के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 1,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह मामला लूट की घटना से संबंधित था, जिसकी जांच थाना डिडौली पुलिस ने की थी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ साक्ष्य जुटाकर चार्जशीट दाखिल की थी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा साक्ष्यों और गवाहों को प्रभावी ढंग से न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इस मामले की लगातार पैरवी की गई, जिसके परिणामस्वरूप न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों को सजा दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर मजबूत पैरवी की जाती है। अमरोहा पुलिस के अनुसार इस फैसले से यह संदेश जाता है कि अपराध करने वाले चाहे कितना भी समय बीत जाए, कानून के शिकंजे से बच नहीं सकते। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे मामलों में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने की कार्रवाई जारी रहेगी।

चांदपुर पुलिस ने 15 घंटे में सकुशल बरामद की इंटर की 6 लापता छात्राएं

बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर/चांदपुर। जनपद बिजनौर के थाना चांदपुर क्षेत्र से लापता हुई छह युवतियों को पुलिस ने महज 15 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। चांदपुर थाना पुलिस और स्वाट/सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी युवतियों को हरिद्वार जनपद के कस्बा रोशनाबाद से बरामद किया। पुलिस के अनुसार 12 मार्च 2026 को परिजनों द्वारा थाना चांदपुर में सूचना दी गई कि चांदपुर और हीमपुर दीपा क्षेत्र की छह युवतियां, जो कक्षा 12वीं की परीक्षा देने के बाद घर नहीं लौटीं, और लापता हो गई हैं। परिजनों ने सभी संभावित स्थानों और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। तहरीर के आधार पर थाना चांदपुर में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी चांदपुर के पर्यवेक्षण में पुलिस ने तेजी से जांच शुरू की। इस दौरान संभावित स्थानों के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला गया।

जांच में पता चला कि सभी युवतियां आपस में सहेलियां हैं और एक ही कक्षा में पढ़ती हैं। तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीम ने 13 मार्च 2026 को सभी युवतियों को उत्तराखंड के जनपद हरिद्वार के रोशनाबाद से सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान युवतियों ने बताया कि वे आपस में दोस्त हैं और आगे की पढ़ाई तथा नौकरी की तलाश के उद्देश्य से अपनी मर्जी से रोशनाबाद चली गई थीं। पुलिस द्वारा सभी युवतियों और उनके परिजनों की काउंसलिंग कराई जा रही है। परिवार में आपसी सामंजस्य स्थापित करने के लिए महिला शक्ति केंद्र प्रभारी और वन स्टॉप सेंटर बिजनौर की टीम को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद युवतियों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई में चांदपुर थाना पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम के कई पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा व उपभोक्ता अधिकारों का मुद्दा निजी स्कूलों व गैस एजेंसियों की मनमानी पर कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल /ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर। जनपद मुख्यालय पर अपना दल (एस) के जिला कैम्प कार्यालय पर महान समाज सुधारक शिव दयाल चौरसिया जी की जयंती के अवसर पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी (एडवोकेट) ने कहा कि शिव दयाल चौरसिया जी का जीवन शिक्षा, सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक रहा है। उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार बेहतर कार्य कर रही है, लेकिन कुछ निजी स्कूल अभिभावकों पर महंगी प्राइवेट किताबें थोपने और बिना पक्के बिल के किताबें बेचने का काम कर रहे हैं। यह सीधे-सीधे अभिभावकों का आर्थिक शोषण है। ऐसे स्कूलों और किताब बेचने वालों के खिलाफ सख्त नियम लागू करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने गैस एजेंसियों की मनमानी पर भी कड़ा सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर गैस एजेंसियां ब्लैक में सिलेंडर देने और ओवररेट होम डिलीवरी का पैसा वसूलने का काम कर रही हैं। हैरानी की बात यह है कि उपभोक्ता यदि अपने हक और अधिकारों के प्रति जागरूक हो जाते हैं तो उसको सिलेंडर के लिया टहला दिया जाता है। अपना दल एस किसी भी कीमत पर इस तरह का शोषण बर्दाश्त नही करेगी।

रोजा इफ्तार में पहुंचे कोटद्वार के मो. दीपक, भाई चारे का दिया संदेश

साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने किया फूल मालाओं से स्वागत

बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। रमजान के पवित्र माह में नजीबाबाद स्थित होटल इंद्रलोक में सोनू भाई की ओर से रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का खूबसूरत माहौल देखने को मिला।

इफ्तार कार्यक्रम में कोटद्वार निवासी इंसानियत और एकता की मिसाल माने जाने वाले मो.दीपक भी विशेष रूप से पहुंचे। उनके नजीबाबाद पहुंचने पर लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने फूल मालाओं से दीपक कुमार का स्वागत किया इस अवसर पर गणमान्य लोगों सहित बड़ी संख्या में उनसे मुलाकात कर रमजान की मुबारकबाद दी।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता को मजबूत करने का काम करते हैं। रमजान का महीना लोगों को इंसानियत, सेवा और आपसी सौहार्द का संदेश देता है। इफ्तार दावत में मौजूद लोगों ने एक साथ रोजा खोलकर देश और समाज में अमन-चैन तथा भाईचारे की दुआ की। कार्यक्रम देर शाम तक सौहार्दपूर्ण माहौल में चलता रहा।

बिजनौर विधानसभा के पूर्व विधायक पूर्व सांसद राजा भारतेंदु सिंह का ग्राम जहानाबाद पहुंचे ग्रामीणों द्वारा किया गया जोरदार स्वागत

दैनिक बुलंद मंजिल उपेंद्र सिंह

बिजनौर विधानसभा के ग्राम जहानाबाद में पहुंचे राजा भारतेंद्र सिंह का गंज बस स्टैंड पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा फूल मालाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया इसके बाद राजा भारतेंदु सिंह कार्यकताओं के काफिले के साथ ग्राम जहानाबाद स्थित यशपाल सिंह पवार के आवास पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने उनका फूल मालाओं द्वारा स्वागत किया गया इस अवसर पर बोलते हुए राजा भारतेंदु सिंह ने लोगों के बीच उनसे उनकी समस्याओं को जाना और उनके समाधान हेतु प्रयास किए जाने की बात कही इस अवसर पर गंज निवासी लाल कौशल अग्रवाल श्यामसुंदर शर्मा भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नीरज बिश्नोई पविंदर सिंह डॉक्टर दिनेश कुमार जोशी द्वारा राजा भारतेंदु से मिलकर गंज के गंगा घाटों पर गंगा जी की धारा लाने हेतु मांग पत्र दिया जिस पर राजा भारतेंदु सिंह ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर इस संबंध में जरूर आवश्यक कार्रवाई करेंगे

ग्रामीणों के बीच बोलते हुए राजा भारतेंदु सिंह ने ग्रामीणों से उनकी समस्याओं को लेकर बात की और कहा कि वे हर गरीब दबे कुचले लोगों के हर सुख दुख में काम आए हैं और आते रहेंगे उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि यदि किसी को कोई समस्या है तो वह उनसे आधी रात भी संपर्क कर सकता है भारतेंदु सिंह ने कहा कि उनका प्रयास है कि वह विधानसभा में घर-घर लोगों के बीच जाएं उनकी समस्याओं का निराकरण कारण एवं जिन लोगों की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है उनके साथ में हमेशा खड़े रहेंगे कार्यक्रम में बोलते हुए गंज निवासी बाबू श्यामसुंदर दास ने राजा भारतेंदु सिंह की सराहना करते हुए उनके कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर उनको बधाई दी इस अवसर पर दीपक पवार द्वारा पूर्व विधायक को पटका एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया ग्रामीणों द्वारा किए गए स्वागत से राजा भारतेंद्र सिंह अभिभूत नजर आए कार्यक्रम में रतिराम सिंह कौशल कुमार अग्रवाल दिनेश कुमार नीरज बिश्नोई शूरवीर सिंह मांगेराम सिंह शिवराज सिंह,सोमपाल,परम सिंह पाल मोहित कुमार बाबू श्याम सुंदर शर्मा, धर्मवीर यशपाल सिंह पवार, आबाद हुसैन, मोहम्मद राजा शन्नू मिस्त्री आदि ग्रामीण मौजूद रहे

डीएसएम शुगर मिल रजपुरा ने सीएसआर फंड से बांटीं सोलर लाइटें

दैनिक बुलंद मंजिल / संवाददाता रामौतार शर्मा

संभल/रजपुरा ,सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए डीएसएम शुगर मिल, रजपुरा ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के माध्यम से क्षेत्र के विभिन्न गांवों के मंदिरों के लिए सौर ऊर्जा लाइटों का वितरण किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को प्रकाशमान करना व पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देना है।

-यूनिट हेड ने किया वितरण

-शुगर मिल परिसर में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान मिल के यूनिट हेड आशीष कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों व ग्रामीणों को सोलर लाइटें सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चीनी मिल न केवल किसानों की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि समाज के उत्थान और बुनियादी सुविधाओं के विकास में भी अपना निरंतर सहयोग देती रहेगी।?इन गांवों को मिला लाभ,?मिल प्रशासन द्वारा आयोजित इस वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के दर्जनों गांवों से आए ,किसानों ने भाग लिया। मुख्य रूप से निम्नलिखित गांवों के मंदिरों के लिए लाइटें प्रदान की गईं,

-भीकमपुर जैनी, सिंधौली पूर्वी,सिंधौली कल्लू

-गुरेठा, निर्यावली, इकोना, गँवा

-रजावली, सैंडोरा हरफरी, जैतोरा सागरपुर ?देवराभुरा, रजापुर, करकौरा, हरदासपुर और शाहपुर।

-टीम की मौजूदगी,?लाइट वितरण के दौरान यूनिट हेड के साथ मिल प्रबंधन की टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने मिल द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की और कहा कि इससे रात के समय मंदिरों में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। खलीलपुर चामुंडा मंदिर पर लाइट की मांग।

ओवरलोड ट्रक का तांडवः रेलवे फाटक का ओवरगेज उखाड़ा, बड़ा हादसा टला

दैनिक बुलंद मंज़िल

स्योहारा। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिल की खोई ढोने वाले ओवरलोड ट्रकों का आतंक एक बार फिर सामने आया है। स्योहारा मिल के पास स्थित रेलवे फाटक पर लगाया गया ओवरगेज एक ओवरलोड ट्रक टक्कर मारकर उखाड़ ले गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए रेलवे लाइन पर आवागमन प्रभावित रहा और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार रेलवे प्रशासन ने फाटक पर ओवरलोड और अधिक ऊंचाई वाले वाहनों को रोकने के लिए ओवरगेज लगाया था, ताकि रेलवे लाइन और फाटक सुरक्षित रह सकें। लेकिन लापरवाही और ओवरलोडिंग के चलते ट्रक चालक ने सीधे ओवरगेज में टक्कर मार दी, जिससे वह उखड़ गया। घटना के बाद कुछ देर तक रेलवे लाइन पर आवाजाही बाधित रही। गनीमत रही कि उस समय कोई ट्रेन वहां से नहीं गुजर रही थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिल की खोई ढोने वाले ओवरलोड ट्रक लगातार नियमों की अनदेखी करते हुए सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मुरादाबाद में सुभासपा नेताओं ने किया रोजा इफ्तार में शिरकत

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान समाज में भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया गया मुरादाबाद में शुक्रवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि 27 विधानसभा ग्रामीण रवि चौधरी ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ रोजा इफ्तार कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम महानगर प्रभारी अशोक सैनी के नेतृत्व में आयोजित किया गया रोजा इफ्तार कार्यक्रम महानगर वार्ड अध्यक्ष 51 रहीम अंसारी के प्रतिष्ठान ए.एफ. हैंडीक्राफ्ट पर आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस मौके पर सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दिया गया कार्यक्रम में ए.एफ. हैंडीक्राफ्ट के प्रतिष्ठान स्वामी रहीम अंसारी के यहां से जुनेद, रेहमान, आसिफ, नावेद, राजा, आसिम अंसारी, रहमान अंसारी और मोहम्मद अजीम सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए और सभी ने मिलकर रोजा इफ्तार किया वहीं पार्टी की ओर से महानगर प्रभारी अशोक सैनी, जिला प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, वरिष्ठ पदाधिकारी हीरालाल सैनी, कक्कू चौधरी, जिला महासचिव आशु रस्तौगी, जिला सचिव हैप्पी वाल्मीकि और कुंदरकी विधानसभा अध्यक्ष दीपक सैनी समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे इफ्तार कार्यक्रम के बाद जिलाध्यक्ष रवि चौधरी ने रहीम अंसारी के प्रतिष्ठान का भ्रमण भी किया और उनका आभार व्यक्त किया रवि चौधरी (जिलाध्यक्ष, सुभासपा) रोजा इफ्तार जैसे कार्यक्रम समाज में भाईचारे और एकता को मजबूत करने का काम करते हैं। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी हमेशा सामाजिक समरसता और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की विचारधारा पर काम करती रही है सम्मान कार्यक्रम का समापन आपसी भाईचारे, सौहार्द और देश की खुशहाली की दुआओं।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार/सीएम युवा योजना की प्रगति की समीक्षा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद मंडल में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार और सीएम युवा योजना की प्रगति को लेकर मंडलायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों और संबंधित अधिकारियों के साथ योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृतियों और ऋण वितरण की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई मुरादाबाद में 12 मार्च 2026 को मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार/सीएम युवा योजना की प्रगति की ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग मंडल, विभिन्न जिलों के उपायुक्त उद्योग और अलग-अलग बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया समीक्षा के दौरान बताया गया कि मुरादाबाद मंडल में बैंकों को कुल 19,842 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 7,884 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 7,393 लाभार्थियों को ऋण वितरण भी किया जा चुका है। वहीं 10,928 आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं। वर्तमान में 3,182 आवेदन स्वीकृति के लिए लंबित हैं और 863 मामलों में ऋण वितरण लंबित है बैठक में प्रमुख बैंकों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को 4,753 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1,650 स्वीकृत और 1,542 मामलों में ऋण वितरित किया गया। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को 4,616 आवेदन मिले, जिनमें 2,293 स्वीकृत और 2,075 का वितरण किया गया। पंजाब नेशनल बैंक को 4,069 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1,534 स्वीकृत और 1,445 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा ने 2,015 आवेदनों में से 853 स्वीकृत कर 818 को ऋण वितरित किया, जबकि केनरा बैंक ने 1,189 आवेदनों में से 495 स्वीकृत कर 490 लाभार्थियों को ऋण दिया। अन्य बैंकों की प्रगति की भी बैठक में समीक्षा की गई मंडलायुक्त ने जिन बैंकों में स्वीकृति और वितरण की प्रगति कम है, उन्हें प्रदर्शन में सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने और पात्र आवेदकों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बिना ठोस कारण के आवेदनों को अस्वीकृत न किया जाए और योग्य मामलों को प्राथमिकता दी जाए बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बैंकों को निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

मुरादाबाद में आलू क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, किसानों व व्यापारियों को किया सम्मानित

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। सर्किट हाउस में उद्यान विभाग उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हाफेड) की ओर से एक दिवसीय आलू क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन व कृषि विदेश व्यापार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने की सम्मेलन में नगर विधायक रितेश गुप्ता, कुन्दरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, डॉ. हरी सिंह ढिल्लो, जिलाध्यक्ष आकाश पाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह समेत हाफेड के प्रबंध निदेशक डॉ. सर्वेश कुमार और मेरठ, सहारनपुर, बरेली मंडल के उद्यान अधिकारी मौजूद रहे कार्यक्रम में मुरादाबाद सहित अमरोहा, बिजनौर, रामपुर, सम्भल, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, हापुड़, शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जिलों से आए आलू उत्पादक किसान, शीतगृह स्वामी, व्यापारी, निर्यातक और प्रोसेसिंग से जुड़े लोग शामिल हुए सम्मेलन में आलू के भंडारण और विपणन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान किसानों और व्यापारियों ने भंडारण, सब्सिडी, बीज प्रमाणीकरण और प्रोसेसिंग से संबंधित अपनी समस्याएं भी मंत्री के सामने रखीं कार्यक्रम में आलू की करीब 25 किस्मों का प्रदर्शन भी किया गया, जिनमें कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी बहार, कुफरी गंगा, पुखराज, जमुनिया, फेडीलिटी, सूर्या, नीलकंठ, इनोवेटर और ख्याति जैसी प्रजातियां शामिल रहीं मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा आलू उत्पादक राज्य है और देश के कुल उत्पादन का करीब 35 प्रतिशत आलू यहीं पैदा होता है। उन्होंने बताया कि किसानों को बेहतर कीमत दिलाने और आलू के विपणन व निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार लगातार बायर-सेलर मीट का आयोजन कर रही है उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष आलू के उत्पादन के मुकाबले शीतगृहों में पर्याप्त भंडारण क्षमता उपलब्ध है, इसलिए किसी भी किसान का आलू भंडारण से नहीं छूटेगा। किसान अधिक से अधिक आलू कोल्ड स्टोरेज में रखकर उचित समय पर बेच सकते हैं कार्यक्रम के अंत में 20 आलू उत्पादक किसानों, शीतगृह स्वामियों और व्यापारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी, मुरादाबाद में 2.42 लाख से अधिक किसानों के खातों में पहुंचेगी 48.54 करोड़ रुपये

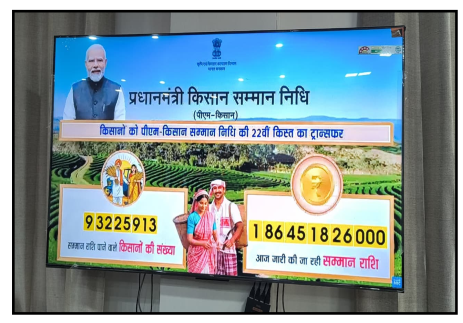

बुलंद मंजिल - सलमान युसूफ

मुरादाबाद। प्रधानमंत्री द्वारा 13 मार्च 2026 को गुवाहाटी (असम) से देशभर के पात्र किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी की गई। किस्त जारी होने के साथ ही किसानों में खुशी की लहर देखी गई। इस अवसर पर जनपद मुरादाबाद में जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही सभी राजकीय कृषि बीज भंडारों, कृषि विज्ञान केंद्र बिलारी व ठाकुरद्वारा तथा ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत भवनों में किसानों को कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्षा डॉ. शैफाली सिंह चौहान

मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत उप कृषि निदेशक संतोष कुमार द्विवेदी ने अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों और पत्रकारों का स्वागत कर की। उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद मुरादाबाद में 2,42,724 किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त के रूप में कुल 48.5448 करोड़ रुपये की धनराशि अंतरित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि जायद फसल के अंतर्गत गन्ना अंतः फसली योजना में किसानों को निःशुल्क मूंग बीज मिनीकिट दिए जा रहे हैं। 1714 के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 1594 किसानों की बुकिंग कंफर्म हो चुकी है, जबकि शेष 120 मिनीकिट के लिए बुकिंग जारी है। इसके लिए अंतिम तिथि 15 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक किसान कृषि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। किसानों से फार्मर रजिस्ट्री और फैमिली आईडी बनवाने का भी अनुरोध किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्षा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र तथा किसानों को निःशुल्क मूंग बीज मिनीकिट वितरित किए। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के किसान सम्मान उत्सव कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और सुना। इस मौके पर संयुक्त कृषि निदेशक मुरादाबाद मंडल प्रशांत कुमार, जिला विकास अधिकारी जी.बी. पाठक, भूमि संरक्षण अधिकारी योगेंद्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी राजेंद्र पाल, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी हर्षित चौहान, जिला गन्ना अधिकारी राम किशन, एक आर कोऑपरेटिव के आमरेन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, कृषि विभाग के कर्मचारी, एफपीओ के सदस्य और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रहास ने किया। अंत में उप कृषि निदेशक ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और किसानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

मुरादाबाद में कड़ी सुरक्षा के बीच अलविदा जुमे की नमाज

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। रमजान के पाक महीने के आखिरी जुमे यानी अलविदा जुमे की नमाज मुरादाबाद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदा की गई। शहर से लेकर देहात तक मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नमाज के लिए पहुंचे। नमाज के दौरान पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसएसपी सतपाल अंतिल और जिलाधिकारी अनुज सिंह ने भी शहर के कई इलाकों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया रमजान के आखिरी जुमे अलविदा जुमे को लेकर मुरादाबाद में प्रशासन द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। शहर की जामा मस्जिद सहित सभी बड़ी मस्जिदों के साथ-साथ देहात क्षेत्र की मस्जिदों के बाहर भी भारी पुलिस बल तैनात रहा नमाज के समय मस्जिदों के आसपास पुलिस और प्रशासन के अधिकारी लगातार निगरानी करते दिखाई दिए। एसएसपी सतपाल अंतिल और जिलाधिकारी अनुज सिंह ने खुद सड़कों पर उतरकर कई इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिदों में अलविदा जुमे की नमाज अदा की और मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआएं मांगी। प्रशासन की मौजूदगी में पूरे जनपद में अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

दो डंपर की भिड़ंत में लगी भीषण आग मची अफरा तफरी

मौके पर पहुंची दमकल टीम आग बुझाई, झुलसे लोग

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

शाहबाद रामपुर। रामपुर जनपद के बादली टांडा निवासी तालिब और साजिद बदायूं से बजरफुट उतारकर रामपुर लौट रहे थे दूसरी तरफ से कासगंज के बहरिया गांव निवासी राघवेंद्र डंपर लेकर रामपुर से शाहबाद होकर बदायूं जा रहे थे। रास्ते शाहबाद-आसफपुर मार्ग पर ढकिया गांव के पास दोनों डंपरों की जोरदार टक्कर हुई। टक्कर लगते ही दोनों डंपरों से आग भड़क उठी। डंपरों में सवार तीनों लोग झुलस गए। तीनों लोगों ने डंपरों से कूदकर अपनी जान बचाई। आग की लपटें देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी शाहबाद पहुंचाया।सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। डॉक्टरों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। तालिब और साजिद की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया ।

युवती को बहला फुसलाकर ले जाने में चार पर केस दर्ज

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

रामपुर। थाना क्षेत्र एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनकी बेटी 18 फरवरी को कही चली गई थी जिसमें थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जब बाद में पता चला कि उनके ही गांव का एक युवक बहला फुसलाकर ले गया। जब पीड़ित युवक के घर गया। उनके साथ गाली गलौज की। वही पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों पर केस दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी।

शिक्षक की बहाली की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

शिक्षण व अन्य कार्यों में लापरवाही को लेकर जिला बीएसए ने किया था निलंबित

दैनिक बुलंद मंज़िल

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरसानी। संभल विकासखंड के गांव भारतल सिरसी में स्थित पीएम श्री विद्यालय के दर्जनों छात्र छात्राओं ने शुक्रवार को शिक्षक के निलंबन के विरोध में छात्र छात्राओं ने प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंचे खंड शिक्षाधिकारी के समझाने पर भी छात्र छात्राएं स्कूल जाने को राजी नहीं हुए। गांव भारतल सिरसी में स्थित पीएम श्री विद्यालय में भारतल सिरसी, कुरकावली, मिलक, बढाताजुउ्उदीन, भतावली सहित अन्य गांवों के दर्जनों छात्र व छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं। शिक्षण कार्य में शिकायत मिलने पर 11 मार्च को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने शिक्षक अवधेश कुमार को निलंबित किया था और अवधेश कुमार पर लगे आरोपो की जांच जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विकासखंड पंवासा व असमोली के खंड शिक्षाधिकारी को संयुक्त रुप से करने के आदेश दिए हैं। शिक्षक के निलंबन की जानकारी होने पर शुक्रवार को दर्जनों से अधिक छात्र छात्राएं विद्यालय के पास मैदान में एकत्रित हुए और अवधेश सर को वापस बुलाओ स्लोगन लिखी तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। इसी के साथ छात्र छात्राओं ने कालेज में तैनात एक शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए। कक्षा आठ की छात्रा अनम ने बताया कि शिक्षक अवधेश कुमार को झूठे आरोप लगाकर फंसाया गया है। अवधेश सर अच्छा पढ़ाते थे और विद्यालय में मिड डे मील भी अच्छा बनवाते थे। अवधेश सर की तैनाती से पहले चावलों में कीड़े निकलते थे। कक्षा छह की छात्रा प्रियांशी ने प्रधानाध्यापक पर आरोप लगाते हुए बताया कि वह बच्चों को नहीं पढ़ाते हैं।छात्रों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते है।कक्षा सात के छात्र मोहम्मद अयान ने आरोप लगाया कि किसी से शिकायत करने की बात कहने पर प्रधानाध्यापक ड़राते धमकाते हैं। प्रदर्शन करने की सूचना मिलने पर खंड़ शिक्षाधिकारी विनोद कुमार मेहरा मौके पर पहुंचे तो सभी छात्र व छात्राएं अवधेश सर को वापस बुलाने की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। जिसके बाद खंड शिक्षाधिकारी ने छात्रों से पढ़ने के लिए विद्यालय के अंदर चलने की बात कही लेकिन छात्रों ने शिक्षक अवधेश कुमार के वापस आने तक विद्यालय में पढ़ने जाने से मना कर दिया। जब इस बारे में खंड शिक्षाधिकारी से उनका पक्ष जानने की कोशिश की तो उन्होंने कुछ भी बताने से मना कर दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने बताया कि इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। यदि विद्यालय के बाहर बच्चों द्वारा प्रदर्शन किया गया है। तो मामले की जांच कराई जाएगी। इस दौरान आफिया, चंद्रिका गौतम, मुस्कान, अंशिका, आसिया, मोहम्मद समी, गुलफसा, शाने रब, आस मोहम्मद, सपना, छवि, रितिका, दर्शिका गौतम, सुभानी आदि छात्र छात्राएं मौजूद रहें।

ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम निर्माण को लेकर दिये दिशा निर्देश

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल/बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले निर्माण कार्यों को लेकर समीक्षा की गयी।लोक निर्माण विभाग द्वारा किये जाने वाले सड़क निमार्णों मुरादाबाद- गवां- बुलंद शहर मार्ग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था यूपी पीसीएल द्वारा खेतापुर में निमार्णाधीन आयुष चिकित्सालय के शीघ्र निर्माण तथा माइल स्टोन बनाने को लेकर निर्देशित किया। जूनियर हाईस्कूल सैंजनी, को 31 दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत आनंदपुर में ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम निर्माण को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सदभावना मण्डप को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए संबंधित कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जल निगम ग्रामीण , सेतु निगम को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था सी एण्ड डी एस को सम्भल में बस स्टैंड तथा सारथी हॉल को लेकर निर्देशित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलक्टर रामानुज, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सत्येंद्र पाल सिंह एवं संबंधित कार्यदायी संस्था उपस्थित रहे।

कहरोला गर्वी में सामुदायिक भवन का हुआ भव्य लोकार्पण बनेगा निःशुल्क शिक्षा केंद्र

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर दैनिक बुलंद मंज़िल

सम्भल/रजपुरा। विकास खंड रजपुरा के ग्राम कहरोला गर्वी में सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होकर भव्य स्वरूप दिया गया और शुक्रवार को इस भवन का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह चौधरी, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की पूर्व सदस्य मंजू दिलेर, आरएसएस के जिला प्रचारक दीपक कुमार तथा गुन्नौर विधानसभा के पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक यज्ञ हवन से हुई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय धनुर्धर तेजवीर आर्य ने यज्ञब्रह्मा की भूमिका निभाई व शास्त्रीय संगीत से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद अतिथियों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और समस्त अतिथियों ने शिलापट्ट का अनावरण करके सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। सामुदायिक भवन संरक्षण समिति के सदस्यों द्वारा मंचासीन अतिथियों का पट्टिका पहनाकर व पुस्तक भेंट कर स्वागत किया गया।

इस दौरान साईं कॉन्वेंट स्कूल बाघऊ की प्रधानाध्यापिका ऊषा शर्मा के नेतृत्व में

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। डॉ. राजकुमार वैदिक ने सामुदायिक भवन के निर्माण और जीर्णोद्धार की संघर्षपूर्ण यात्रा बताते हुए कहा कि यह भवन समाज के उत्थान का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि हम लोगों के द्वारा यहां गांव के जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा केंद्र शुरू किया जाएगा, जिसकी पहली कक्षा हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च 2026) से शुरू होगी साथ ही साप्ताहिक संस्कार केंद्र और मासिक यज्ञ का आयोजन भी किया करेंगे और एक दिन हम सब मिलकर इस गांव को शराबमुक्त, नशामुक्त व शिक्षित गाँव बनाने में सफल होंगे।

मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि सरकारी संपत्तियों को अपनी संपत्ति समझकर उनका संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने डॉ. राजकुमार वैदिक के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें जिला व क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि श्री वैदिक के विचार व कार्य सभी के लिए अनुकरणीय हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि यह सामुदायिक भवन गांव की शान है और इसके संरक्षण में सभी को सहयोग करना चाहिए। पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव ने सनातन संस्कृति के मूल्यों एवं बुजुर्गों के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की पूर्व सदस्य मंजू दिलेर ने कहा कि भवन का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन रखा जाना सराहनीय है, क्योंकि डॉ. आंबेडकर शिक्षा को समाज की उन्नति का आधार मानते थे। आरएसएस जिला प्रचारक दीपक कुमार ने कहा कि डॉ. राजकुमार वैदिक के नेतृत्व में चलने वाला यह संस्कार केंद्र नशामुक्त, समरस और राष्ट्रभक्त समाज के निर्माण में सहायक बनेगा। कार्यक्रम का कुशल संचालन हरिगोविंद यदुवंशी ने किया।

इस अवसर पर कुहेरा से आये नेत्रपाल शास्त्री ने शास्त्रीय संगीत व भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जबकि नीरज यादव ने रागनी गाकर लोगों का मनोरंजन किया। गांववासियों की ओर से मुकेश कुमार आर्य ने निरन्तर सामाजिक कार्यों में लगे रहने व इस सामुदायिक भवन को यह भव्य रूप दिलाने में किये गए प्रयासों के लिए पूरे गांव की ओर से डॉ. राजकुमार वैदिक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सामुदायिक भवन संरक्षण समिति कहरोला गर्वी के पदाधिकारियों ने आये हुए समस्त अतिथियों का एवं इस भवन में सहयोग करने वाले सहायक विकास अधिकारी अक्षय कुमार, ग्राम विकास अधिकारी अबरार अहमद का आभार प्रकट किया। इस मौके पर धरमल, नरेंद्र कुमार, हरमुखी देवी, प्रेमवती, रश्मि यादव, मदन गोपाल, मोहरपाल सिंह, हरीकिशन, देवेंद्र, कल्यान, कृपाल, लालसिंह, रामबाबू, महेश कुमार, कृष्णअवतार, संजय, भजनलाल, धर्मपाल, करतार, देवदत्त, होमेन्द्र, जागन, अरविंद, रेवती, पिंटू, मुकेश, धीरेंद्र, नरेशपाल, नेकाशी, चंद्रपाल, श्योराज डीलर, ग्राम प्रधान हरमुखी, धर्मवीर, छत्रपाल, प्रकाश, लायक सिंह, संतोष, रामकुमर समेत हजारों ग्रामीण मौजूद रहे।

आलू किसानों के हित में मुरादाबाद में 'क्रेता-विक्रेता सम्मेलन' संपन्न; ओडिशा भेजा जाएगा यूपी का आलू - मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात, दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज सर्किट हाउस सभागार, मुरादाबाद में एक महत्वपूर्ण 'क्रेता-विक्रेता सम्मेलन' का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वर्तमान सत्र में आलू की उपज के समुचित भंडारण, बेहतर बाजार मूल्य और सुलभ विपणन सुनिश्चित कर किसानों के हितों की रक्षा करना रहा। इस सम्मेलन में मुरादाबाद, बरेली, मेरठ एवं सहारनपुर मंडलों के अंतर्गत आने वाले 17 जनपदों (मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, रामपुर, संभल, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, हापुड़, शामली एवं मुजफ्फरनगर) के प्रमुख शीतगृह स्वामियों, आलू उत्पादकों, व्यापारियों और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। प्रमुख घोषणाएँ और निर्णय - ओडिशा को निर्यात मंत्री जी ने जानकारी दी कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु ओडिशा सरकार से वार्ता की जा चुकी है। अब उत्तर प्रदेश का आलू ओडिशा के बाजारों में भेजा जाएगा। कृषि निर्यात बोर्ड का गठनः प्रदेश स्तर पर जल्द ही 'कृषि निर्यात बोर्ड' का गठन किया जाएगा, जिसमें संभल के एफपीओ निदेशक दीपक शर्मा को भी शामिल किया जाएगा। गुणवत्ता पर जोरः प्रगतिशील किसान कुलवीर सिंह चहल ने रसायनों के अत्यधिक उपयोग से गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव का मुद्दा उठाया, जिस पर मंत्री जी ने रसायनों का उपयोग कम करने और गुणवत्ता सुधारने पर बल दिया। प्रगतिशील किसानों का सम्मान सम्मेलन के दौरान जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने बताया कि जनपद संभल द्वारा आलू की 15 विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किया गया। उत्कृष्ट कार्य हेतु मंत्री जी द्वारा संभल के विकास अग्रवाल एवं दीपक शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। कृषि विपणन निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि मंत्री जी को अवगत कराया गया है कि वर्तमान में बाजार में अधिक आवक के कारण किसानों को कम मूल्य प्राप्त हो रहा है, जिसे सुधारने हेतु निर्यात और अंतरराज्यीय व्यापार के प्रयास तेज किए गए हैं। गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त एवं डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, विधायक रितेश कुमार गुप्ता एवं विधायक ठाकुर रामवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श शेफाली सिंह, जिला अध्यक्ष आकाश पाल सहित उद्यान, कृषि विपणन और मण्डी समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

समस्त विकास खण्डों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का दिखाया सजीव प्रसार

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत 13 मार्च, 2026 को गुवाहाटी, असम में आयोजित होने वाले पीएम किसान उत्सव दिवस में प्रधानमंत्री जी द्वारा पी.एम. किसान सम्मान निधि की 22 वीं किस्त का हस्तांतरण किये जाने के दृष्टिगत जनपद सम्भल में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में जनपद मुख्यालय स्तर (कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई(सम्भल)) पर आयोजित पी.एम. किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण ँ३३स्र२://स्रेल्ल्र्रद्मं२३.ल्लू.ल्ल

लिंक पर दिखाया गया। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र-सम्भल, समस्त विकास खण्डों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसार दिखाया गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद से लगभग लगभग 32890 व्यक्तियों (कृषकों, सम्मानित कृषक गण, ड्रोन सखी, पशु सखी, बैंक सखी एवं विभिन्न गतिविधियों से सम्बन्धित व्यक्तियों आदि) ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा। इसके अतिरिक्त जनपद में क्रियाशील कृषक उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) एवं जनपद की 67 साधन सहकारी समितियों, मण्डी समितियों एवं कॉमन सर्विस सेन्टर आदि द्वारा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण लाभार्थी किसानों आदि को दिखाया गया।

प्रधानमंत्री द्वारा पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत दिनांक 13 मार्च, 2026 को हस्तांतरित की गई किसान सम्मान निधि योजना की 22 वीं किस्त से जनपद सम्भल के 275168 कृषक लाभान्वित हुए हैं। जिनके बैंक खातों में पी.एम. किसान सम्मान निधि की लगभग रु. 55.04 करोड़ की धनराशि हस्तांतरित हुई है। उक्त कार्यक्रम में कृषि एवं सम्बन्धित विभागों द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री नथ्थू सिंह राणा, जिला उपाध्यक्ष, भाजपा उपस्थित रहे।

विकास खण्ड रजपुरा में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक हुई सम्पन्न

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल । जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में शुक्रवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अक्षय कुमार की अध्यक्षता में विकास खण्ड रजपुरा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। बैठक के माध्यम से सभी

सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी राजकुमारी द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी श्री तेजपालसिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। शिक्षा विभाग से एम.एल. पटेल, स्वास्थ्य विभाग से अलीजान, वी.पी गुप्ता, यशवीर सिंह, वीरसिंह एवं आकाश आदि उपस्थित रहे।

गिव मी विंग्स कार्यक्रम में छात्राओं ने दिखाई नेतृत्व और आत्मविश्वास की उड़ान

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। जनपद के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बनियाखेरा (सरथल) में 13 मार्च 2026 को गिव मी विंग्स झ मुझे पंख दो कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से इन्वॉल्व लर्निंग सलूशन्स फाउंडेशन द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य बालिकाओं के नेतृत्व, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमताओं को मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसकी पूरी योजना और संचालन स्वयं के.जी.बी.वी. की छात्राओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जनपद सम्भल के सभी 10 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक भारतीय खेल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, पीयर लर्निंग डेमो, बाल संसद, बाल पुलिस तथा ळएऊ-स्टाइल टॉक्स मेरी कहानी, मेरी आवाज जैसे विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपने मॉडल और नवाचार भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार, इन्वाल्व संस्था से सम्यक जैन, आशुतोष, संदीप व टीम इन्वाल्व के सभी साथी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं की प्रदर्शनी और प्रस्तुतियों का अवलोकन कर उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में बालिकाओं ने बताया की कैसे पीयर लर्निंग, बाल संसद, मीना मंच जैसे कार्यक्रमों ने उनको न केवल अपनी बात रखने का अवसर दिया बल्कि उनको अपनी बात रखने का आत्मविश्वास दिया, समस्त अधिकारियों ने ये माना की इसे कार्यक्रम समय समय पर होते रहने चाहिए । यह कार्यक्रम बालिकाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व और सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण बना तथा यह संदेश देता है कि जब बेटियों को अवसर मिलता है, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई दिशा तय कर सकती हैं।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारियों की समस्याओं को रखा जीएसटी विभाग के डिप्टी कमिश्नर के समक्ष

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने जीएसटी विभाग में डिप्टी कमिश्नर बबलू बबलू सिंह एवं डिप्टी कमिश्नर धर्मेंद्र कुमार से मिलकर व्यापारियों की समस्याओ को उनके सामने रखा। व्यापारियों ने व्यापार में आ रही समस्याओं को लेकर चर्चा की जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ने डिप्टी कमिश्नर से नया रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया की जानकारी लिए नए रजिस्ट्रेशन में किस-किस प्रमाण पत्र की आवश्यकता है तथा किस विधि से नया रजिस्ट्रेशन लिया जा सकता है। व्यापारियों

ने आईटीसी से संबंधित प्रावधानों के बारे में आईटीसी किस प्रकार समुचित किया जाए। व्यापार मंडल ने जीएसटी विभाग से व्यापारियों को हो रहे उत्पीड़न अवगत कराया तथा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल में मांग की जीएसटी विभाग द्वारा इतने गहन एवं कठिन धाराओं से व्यापारी परेशान है भारत के व्यापारियों के लिए एक सीधा-साधा कानून बनाकर जीएसटी लिया जाना चाहिए ना की कानून की धाराओं में उलझा कर व्यापारी का उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने दोनों डिप्टी कमिश्नर का व्यापार मंडल का अंग वस्त्र पहनकर होली मिलन का स्वागत किया। सव गले मिले व्यापार मंडल की तरफ से जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर,उमेश चंद्र वार्ष्णेय,रमेश अग्रवाल, सुभाष मित्तल, शाह अलम मंसूरी,सागर गुप्ता मुख्य पदाधिकारी शामिल हुए।

जुमा अलविदा की नमाज में भाईचारे व मुल्क की तरक्की को उठे हजारों हाथ

शांति पूर्वक हुई की गई जुम्मा अलविदा की नमाज

भूरे सिंह यादव/ बुलंद मंज़िल

गुन्नौर/ सौंधन संभल । जिले के कस्बा सौंधन मोहम्मदपुर की शाही मस्जिद में इमाम मोहम्मद फुरकान ने कराई जुम्मा अलविदा की नमाज गुन्नौर तहसील क्षेत्र में रमजान माह के आखिरी जुमा,जुमा अलविदा को मस्जिदें नमाजियों से फुल भर गयीं, गुन्नौर, बबराला, कादराबाद, धनारी, भिरावटी, रजपुरा, जिजोड़ा डांडा, सेमरी, करकौरा, सिंघौली, खगूपुरा सहित कस्बा गवॉ की जामा मस्जिद में भी जुमा अलविदा

को सैकड़ों की तादाद में रमजान माह के आखिरी जुमा अलविदा को नमाज शांति पूर्वक(पढ़ी) अदा की गई,जामा मस्जिद के पेश इमाम जनाब हाफिज रिसाले नबी ने रोजा रखने पर सवाब मिलने पर रोशनी डाली तथा अपने भारत देश में अमन चैन भाईचारा तथा तरक्की की दुआ मांगी। इस मौके पर ठेकेदार नसरुददीन सैफी, हाजी मुहम्मद उमर सलमानी, मुख्तयार गाजी, असलम सलमानी, अजीम सैफी, शाहिद हुसैन, राशिद कादरी, शकील सलमानी मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा गवॉ रजपुरा, पप्पू खां, शाहिद सैफी, इस्लाम कस्सार, डाक्टर अंसार अब्बासी, मुस्तकीम सलमानी, इकबाल सैफी आदि।

सीएम डैशबोर्ड पर मुख्यमंत्री के विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल/बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर मुख्यमंत्री के विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। पूर्व दशम छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति, पीएम कुसुम योजना, डे एन आर एल एम, प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण तथा मनरेगा,

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अन्तर्गत भवन निर्माण तथा सड़क निर्माण को लेकर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी को रैंकिंग सुधार को लेकर कार्य करना है, टॉप टेन में रहने का प्रयास करें। दुग्ध मूल्य भुगतान, सहकारी दुग्ध समितियां, फैमिली आईडी, सामाजिक वनीकरण, कृत्रिम गभार्धान, मत्स्य सम्पदा योजना, आईसीडीएस पोषण अभियान, ओडीओपी टूल किट एवं वित्त पोषण योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, आदि बिन्दुओं पर चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष,उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह के उपलक्ष्य में किरण वेलफेयर एसोसिएशन ने किया कवि सम्मेलन का आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। किरण वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में होली मिलन समारोह के उपलक्ष्य में स्थानीय अनुष्क सेलिब्रेशन हॉल में एक भव्य एवं सरस कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों एवं कवियों ने अपनी सशक्त एवं भावपूर्ण रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि बाबू फूल प्रकार ने मां शारदा के समक्ष प्रज्जवन संचालन कर रही डॉ दुर्गा टंडन ने ओज कविता चेतना को जगा दो समय शेष है अब अधर में खड़ा मेरा देश है सुनाया। बदायूं से पधारी सरिता चौहान ने पढ़ा गुझियां सेवइयां हम मिलकर खाते हैं होली,बैसाखी संग ईद मनाते हैं राम ,कृष्ण, प्रहलाद की परिपाटी हैं हम
भारत की माटी का तिलक लगाते हैं । हिमांशु भारद्वाज ने पढ़ा प्यार की हद को तू हमसफर आजमाता रहा रात भर, जिक्र करके किसी गैर का दिल जलाता रहा रात भर
कवि सम्मेलन में प्रस्तुत हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार तथा राष्ट्रभाव से ओतप्रोत कविताओं ने उपस्थित श्रोताओं को देर तक बांधे रखा। कार्यक्रम का वातावरण होली के रंगों की तरह उल्लास, सौहार्द और साहित्यिक रस से परिपूर्ण रहा।
कार्यक्रम में आमंत्रित स्वर के रूप में
संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं साहित्यिक आयोजन समाज में पारस्परिक प्रेम, सौहार्द और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, कवियों एवं उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में अभिषेक गुप्ता प्रवीण गुप्ता ,हिमांशु , जयशंकर दुबे, नीलम वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे।

युवकों के आपसी विवाद ने ली सौंधन इंटर कॉलेज के चौकीदार की जान

पुलिस ने चार बाइक व एक युवक को लिया कब्जे में

भूरे सिंह यादव/ बुलंद मंज़िल

मृतक का फाइल फोटो

सौंधन/संभल । कैला देवी थाना के कस्बा सौंधन में जी सुखराम यादव इंटर कॉलेज में वर्षों से कर रहे चौकीदार कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे राजपाल उर्फ सैजू पुत्र यादाराराम ग्राम सौंधन अपने बड़े भाई प्रेमपाल यादव के साथ अपनी बैट्री स्कूटी पर सवार हो कर अपने घर जा रहे थे ' बताया गया की चार पांच गांव के युवक सौंधन सिहावली मार्ग पर सरकारी नलकूप पर शराब पीने के बाद विवाद हो गया था ' विवाद होने पर सभी बाइक सवार तेज गति से सौंधन की बाजार में पहुंचे और बाईकों को दौड़ाते हुए चल रहे थे ' जैसे ही सौंधन पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे तो बताया की पीछे से आ रहे बुलट बाइक सवार ने आगे चल रही बाइक में पीछे से लात मारी तो बाइक का बैलेंस बिगड़ गया ' सामने से आ रहे अपनी स्कूटी से राजपाल उर्फ सैजू बड़े भाई प्रेमपाल की स्कूटी से बाइक टकरा गई टक्कर की आवाज सुन आस पास के लोग मौके पर पहुंच गए सौंधन चुकी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई परिजनों को सूचना दी परिजन मौके पर पहुंच और घायल अवस्था में गांव के निजी अस्पताल ले गए गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने मना कर दिया तो आनन फानन में जिला अस्पताल ले कर पहुंचे तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया ' बताया की जो बाइक सवार थे वो सिहावली सौंधन मार्ग पर सरकारी नलकूप पर शराब पीने के बाद उनका विवाद हुआ था विवाद होने के बाद अपनी अपनी बाईकों से तेज गति पर चल रहे थे ' सौंधन चौकी पुलिस ने एक युवक व चार बाइक को अपने कब्जे में लेकर युवक को थाने भेज दिया गया है ' मृतक के शव को जिला अस्पताल से पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम को भेजा ' घरवालों का रो रो कर बुरा हाल है गांव में छाया मातम परिवार में मचा कोहराम

कहरोला गर्वी में सामुदायिक भवन का भव्य लोकार्पण

बुलंद मंज़िल गुन्नौर

रजपुरा/सम्भल। विकास खंड रजपुरा के ग्राम कहरोला गर्वी में जीर्णोद्धार के बाद सामुदायिक भवन का शुक्रवार को भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह चौधरी, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की पूर्व सदस्य मंजू दिलेर, आरएसएस जिला प्रचारक दीपक कुमार तथा गुन्नौर के पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।
कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक विधि-विधान से यज्ञ-हवन के साथ हुई। अंतरराष्ट्रीय धनुर्धर तेजवीर आर्य ने यज्ञब्रह्मा की भूमिका निभाई और शास्त्रीय संगीत से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद अतिथियों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा शिलापट्ट का अनावरण कर सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। सामुदायिक भवन संरक्षण समिति के सदस्यों ने मंचासीन अतिथियों का पट्टिका पहनाकर और पुस्तक भेंट कर स्वागत किया।
इस अवसर पर साईं कॉन्वेंट स्कूल बाघऊ की प्रधानाध्यापिका ऊषा शर्मा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।
डॉ. राजकुमार वैदिक ने सामुदायिक भवन के निर्माण व जीर्णोद्धार की संघर्षपूर्ण यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भवन गांव के सामाजिक उत्थान का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यहां जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा केंद्र शुरू किया जाएगा, जिसकी पहली कक्षा हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 19 मार्च 2026 से प्रारंभ होगी। इसके साथ ही यहां साप्ताहिक संस्कार केंद्र और मासिक यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने गांव को नशामुक्त, शिक्षित और आदर्श गांव बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि सरकारी संपत्तियों को अपनी संपत्ति समझकर उनका संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने डॉ. राजकुमार वैदिक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके विचार और कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि यह सामुदायिक भवन गांव की शान है और इसके संरक्षण में सभी को सहयोग करना चाहिए। पूर्व विधायक अजीत कुमार उर्फ राजू यादव ने सनातन संस्कृति के मूल्यों और बुजुर्गों के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की पूर्व सदस्य मंजू दिलेर ने कहा कि भवन का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन रखा जाना सराहनीय है, क्योंकि डॉ. आंबेडकर शिक्षा को समाज की उन्नति का सबसे बड़ा साधन मानते थे। वहीं आरएसएस के जिला प्रचारक दीपक कुमार ने कहा कि डॉ. राजकुमार वैदिक के नेतृत्व में चलने वाला संस्कार केंद्र नशामुक्त, समरस और राष्ट्रभक्त समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।
कार्यक्रम का संचालन हरिगोविंद यदुवंशी ने किया। इस अवसर पर कुहेरा से आए नेत्रपाल शास्त्री ने शास्त्रीय संगीत और भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जबकि नीरज यादव ने रागनी सुनाकर लोगों का मनोरंजन किया। गांववासियों की ओर से मुकेश कुमार आर्य ने सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने और सामुदायिक भवन को भव्य रूप दिलाने के लिए डॉ. राजकुमार वैदिक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया।
इस दौरान सामुदायिक भवन संरक्षण समिति ने सभी अतिथियों तथा भवन निर्माण में सहयोग करने वाले सहायक विकास अधिकारी अक्षय कुमार और ग्राम विकास अधिकारी अबरार अहमद का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान हरमुखी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजली कटौती को लेकर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियो ने अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। बिजली कटौती एवं शेड्यूल परिवर्तित करने हेतु। एन ई फीटर एवं बनियाखेड़ा फीटर की मुख्य समस्या है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के द्वारा शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती, कम वोल्टेज और खराब ट्रांसफार्मर की समस्याओं को लेकर अधिशासी अभियंता (विद्युत विभाग) को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए निर्बाध आपूर्ति, नलकूपों को पर्याप्त बिजली, और ग्रामीण क्षेत्रों में दिन के समय बिजली सुनिश्चित करने की मांग की गई है।
ज्ञापन के प्रमुख बिंदु और मांगें: दिन में सुबह 8 बजे से 12 बजे तथा शाम 3 बजे से 6 बजे तक कटौती बंद की जाए ताकि किसान फसल की सिंचाई दिन में कर सकें।
एक महीने का लंबा समय बीत जाने के बाद भी अभी तक इस समस्या का हल नहीं हुआ है। भारतीय किसान यूनियन का घोर विरोध करती है।अगर यह समस्या 8 दिन के अंदर समस्या का हल नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन टिकैट अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड चंदौसी के गेट पर उग्र आंदोलन करने को बाधित होगा।
भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने चेतावनी दी है कि यदि बिजली आपूर्ति में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो किसान जिले के सभी विद्युत उपकेंद्रों पर उग्र आंदोलन तथा रोड रोको आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। धरने के दौरान अगर कोई अप्रिय घटना हुई तो बिजली विभाग स्वयं जिम्मेदार होगा।इस दौरान नरेश राघव, योगेंद्र यादव, भुवनेश यादव, प्रमोद राघव, डॉ जितेंद्र वर्मा, समीर खान, मुजफ्फर, राहत जहां, हांजी अजीम व सिद्दीकीआदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तम दिवस शिविर का हुआ समापन

स्वयं सेविकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कर अपनी प्रतिभा दिखाई

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। शुक्रवार को एन.के.बी.एम.जी.(पीजी) कॉलेज चंदौसी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों की कार्यक्रम अधिकारी डॉ शीतल एवं डॉ प्रियंका के संयोजन में सप्त दिवसीय विशेष शिविर का सप्तम दिवस समापन समारोह व संकल्प दिवस के रूप में प्राथमिक विद्यालय करेला चंदौसी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य पंकज शर्मा , विशिष्ट अतिथि संगीता भार्गव एवं अति विशिष्ट अतिथि कविता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर अलका रानी अग्रवाल द्वारा माँ शारदे के छायाचित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ईशा रस्तोगी, भावना आर्य, दीक्षा, तमन्ना वार्ष्णेय, शिवानी भारती, मानवी सिंह, समीक्षा, कोमल, नेहा, प्रिया, प्रिया बघेल, कुमकुम गंगवार, वंशिका रस्तोगी, सपना, भावना, साक्षी उपाध्याय आदि के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, देश भक्ति गीत, तथा विभिन्न प्रकार के डांस, मसाने की होली, राजस्थानी डांस, भगवान शिव की स्तुति पर आधारित नृत्य तथा साथ ही राष्ट्रीय भक्ति की भावना से ओतप्रोत ओजस्वी नृत्य व नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।
कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय पंकज जी ने अपने वक्तव्य में स्त्री शिक्षा और लिंग समानता जैसे गंभीर विषय पर चर्चा करते हुए कहा– लड़कियों को शिक्षा के प्रति जागरूक होना होगा तभी वे अपने अधिकारों को पूर्णता में प्राप्त कर सकेंगीह्व विशिष्ट अतिथि संगीता भार्गव ने भी ओजस्वी वक्तव्य प्रस्तुत किया और कहा, ह्वलड़कियों को शिक्षा समानता के साथ ही चरित्र निर्माण पर भी जोर देना चाहिए।जिसके लिए एन एस एस सिविर जैसे कार्यक्रमों का आयोजन सहायक भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम की अति विशिष्ट अतिथि कविता ने खूबसूरत गीत की प्रस्तुति द्वारा सबका मन मोह लिया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर अलका रानी अग्रवाल ने छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा- ह्वछात्राओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य के प्रति भी सजग होना चाहिए।ह्वकार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रियंका द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ प्रियंका ने कहा ह्वजब हौसले बुलंद हो और कुछ करने का जज्बा साथ हो तो किसी संसाधन की कमी लक्ष्य में बाधक नहीं बनती। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम का उद्देश्य मात्र मंचीय कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है,बल्कि हमारा उद्देश्य स्वयंसेवकाओं के साथ ही सामान्य जनमानस तक राष्ट्रीय गौरव, सुरक्षा, एवं सुविधाओं को प्रसारित करना है।कार्यक्रम के अगले क्रम में मुख्य अतिथि पंकज शर्मा विशिष्ट अतिथि संगीता भार्गव जी एवं विशिष्ट अतिथि कविता जी व प्राचार्या प्रोफेसर अलका रानी अग्रवाल ने स्वयं सेविकाओं को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर बधाई व शुभकामना? प्रदान की तथा छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। स्वयंसेविकाओ द्वारा बनाए गए हैंडीक्राफ्ट्स का निर्णय अति विशिष्ट अतिथि कविता जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शीतल द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। तथा सप्तदिवसीय शिविर की आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की क्षेत्रीय विविधता भारत की अमूल्य धरोहर है, जिसका विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संरक्षण आवश्यक है और इसके लिए राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कार्यक्रम प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएँ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीता और मुकेश का विशेष सहयोग रहा। और करेला ग्रामप्रधान विपिन यादव का शुरू से अंत तक विशेष सहयोग रहा।

मानक से अधिक गोवंश ले जा रहे पिकअप चालक पर मुकदमा दर्ज, वाहन जब्त

बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

नूरपुर/बिजनौर। प्राप्त समाचार के अनुसार स्योहारा मार्ग पर एक पिकअप वाहन में मानक से अधिक गोवंश ले जाने के आरोप में चालक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने वाहन को भी जब्त कर लिया है।यह कार्रवाई थाना क्षेत्र स्योहारा के गांव मीरापुर निवासी अभय प्रताप सिंह की शिकायत पर की गई। अभय प्रताप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार देर शाम करीब सात बजे उन्होंने स्योहारा मार्ग पर एक पिकअप गाड़ी को देखा, जिसमें चालक मानक क्षमता से अधिक गोवंशीय पशुओं को जबरन और क्रूरतापूर्वक भरकर ले जा रहा था। अभय प्रताप सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर गाड़ी को रोका और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने अभय प्रताप सिंह की तहरीर के आधार पर वाहन चालक शहाबुद्दीन पुत्र गुलजार, निवासी ग्राम ढेला गुर्जर, थाना क्षेत्र हीमपुर दीपा के खिलाफ पशु क्रूरता के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी विकास कुमार तेवतिया ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि की है। अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है।

गैस एजेंसियों व पेट्रोल पंप संचालकों के साथ एसडीएम ने की बैठक, दिये निर्देश

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नगीना। उपजिलाधिकारी नगीना ने गुरुवार को गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंप संचालकों के साथ संयुक्त बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में गैस एजेंसी संचालकों को निर्देशित किया गया कि उपभोक्ताओं को नियमानुसार समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में बताया गया कि गैस कनेक्शन बुक होने के बाद उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन सिलेंडर लेने से पहले पंजीकृत मोबाइल नंबर से ओटीपी देना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही उपभोक्ता को गैस सिलेंडर दिया जाएगा। साथ ही अगली गैस बुकिंग पहली बुकिंग के 25 दिन बाद ही संभव होगी।
उपजिलाधिकारी ने बताया कि तहसील नगीना क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और वर्तमान में क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध हैं। गैस कंपनियों से लगातार आपूर्ति भी हो रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे नियमानुसार गैस बुकिंग कराकर ही सिलेंडर प्राप्त करें। बैठक में पेट्रोल पंप संचालकों को भी निर्देश दिए गए कि डीजल और पेट्रोल का वितरण नियमों के अनुसार किया जाए तथा जिलाधिकारी के आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए। यदि कहीं अनियमितता पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। सभी पेट्रोल पंप संचालकों को अपने पंपों पर स्टॉक बोर्ड पर पेट्रोल और डीजल के रेट अंकित करने तथा सभी सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में रखने के निर्देश भी दिए गए। इस मौके पर पूर्ती निरीक्षक नीरज कुमार वर्मा,चौधरी दिग्विजय सिंह उर्फ डिक्की, इंडेन गैस एजेन्सी से विनोद कुमार सहित ग्रामीण क्षेत्र के पेट्रोल पंप स्वामी व एजेन्सी स्वामी मौजूद रहे।

अलविदा की नमाज को लेकर बरेली में हाई अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात, एसपी सिटी ने खुद संभाली कमान

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। रमजान के आखिरी जुमे यानी अलविदा की नमाज को लेकर शहर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए गए हैं कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस, पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन की प्राथमिकता नमाज को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने स्पष्ट कहा है कि अलविदा की नमाज सड़कों पर नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू नहीं होने दी जाएगी और व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़कों पर उतरी फोर्स

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने और उपद्रवियों को सख्त संदेश देने के लिए एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में कोतवाली क्षेत्र से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में सीओ सिटी प्रथम आशुतोष शिवम, कोतवाली इंस्पेक्टर सुरेंद्र चंद्र गौतम समेत कई थानों की पुलिस, पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स शामिल रही।

फ्लैग मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा, जहां पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और लोगों से शांति व भाईचारा बनाए रखने की अपील की। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

आला हजरत और जामा मस्जिद समेत प्रमुख स्थलों पर कड़ी निगरानी

अलविदा की नमाज को देखते हुए शहर की प्रमुख मस्जिदों के आसपास विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। किला स्थित जामा मस्जिद, अनाथालय रोड की नौमहला मस्जिद, खलील चौराहा स्थित आला हजरत मस्जिद और दरगाह आला हजरत समेत सभी प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। नमाज के समय भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन भी लागू किया जाएगा, ताकि नमाजियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहे।

नगर निगम ने भी संभाला मोर्चा अलविदा की नमाज को देखते हुए नगर निगम ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। नमाज से पहले सभी प्रमुख मस्जिदों के रास्तों और आसपास के इलाकों में विशेष साफ-सफाई कराई गई है और चूना छिड़काव कराया गया है। इसके अलावा नमाजियों की सहूलियत के लिए पानी के टैंकर भी लगाए जा रहे हैं, ताकि भीड़ के दौरान किसी को असुविधा न हो। प्रशासन का कहना है कि अलविदा की नमाज को लेकर सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

एडीजी ने जारी किया जोन भर में हाई अलर्ट, नौ जिलों के पुलिस कप्तानों को वीडियो कांफ्रेसिंग में दिया ये अल्टीमेटम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। ईद, रामनवमी और नवरात्रि जैसे बड़े धार्मिक पर्वों के साथ ही दरोगा भर्ती परीक्षा को देखते हुए बरेली जोन में पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। कानून-व्यवस्था में जरा भी ढिलाई न हो, इसके लिए एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जोन के सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था, भर्ती परीक्षा की तैयारियों और लंबित मामलों की समीक्षा कर अफसरों को सख्त दिशा-निर्देश दिए गए।

संवेदनशील इलाकों पर कड़ी निगरानी, बढ़ेगी पुलिस गश्त

एडीजी ने साफ निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जाए। प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों और जुलूस मार्गों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के साथ लगातार निगरानी रखने को कहा गया। उन्होंने चेतावनी दी कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सकें।

दरोगा भर्ती परीक्षा में चूक नहीं, हर सेंटर पर सख्त पहरा

बैठक में 14 और 15 मार्च को होने वाली उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस/समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। एडीजी ने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाए। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के आदेश दिए गए।

लंबित शिकायतों और अपराधियों पर कार्रवाई तेज

समीक्षा बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण और सीसीटीएनएस में दर्ज मामलों की विवेचना 60 से 90 दिन के भीतर पूरी करने पर जोर दिया गया। साथ ही ई-साक्ष्य और ई-सम्मन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। अपराधियों के सत्यापन और संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई तेज करने के लिए भी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए।

सड़क सुरक्षा और नशे के खिलाफ भी सख्त अभियान

एडीजी ने ऑपरेशन दहन के तहत मादक पदार्थों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए कार्रवाई तेज करने को कहा। इसके अलावा जीरो फेटलिटी डिस्ट्रिक्ट अभियान के तहत सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश भी दिए गए।

अलविदा ऐ माहे रमजान अलविदा अमन-ओ-सुकून के साथ अदा हुई जुमा-तुल-विदा की नमाज, मुल्क की सलामती को उठे हजारों हाथ

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। रमजान के पाक महीने के आखिरी शुक्रवार को शहर में जुमा-तुल-विदा की नमाज पूरे अकीदत और अमन-ओ-सुकून के माहौल में अदा की गई। सुबह से ही मुस्लिम इलाकों में नमाज को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने रोजा रखकर अल्लाह की इबादत की और शहर की प्रमुख मस्जिदों, दरगाहों व खानकाहों में बड़ी संख्या में नमाजी जुटे।

किला जामा मस्जिद में उमड़ी हजारों की भीड़

शहर की मुख्य नमाज किला स्थित जामा मस्जिद में अदा की गई, जहां हजारों नमाजियों ने एक साथ सजदा किया। दोपहर 1:30 बजे शहर इमाम मुफ्ती खुर्शीद आलम ने पहले खुत्बा पढ़ा और इसके बाद नमाज अदा कराई। अपने खिताब में उन्होंने रमजान की फजीलत, कुरान की अजमत और जकात व सदका-ए-फितर की अहमियत पर रोशनी डाली। नमाज के बाद मुल्क और मिल्लत की खुशहाली के लिए खास दुआ की गई। ### दरगाह आला हजरत पर सबसे आखिर में नमाज दरगाह आला हजरत के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि शहर में सबसे आखिर में नमाज दरगाह आला हजरत पर अदा की गई। यहां दोपहर 3:30 बजे मुफ्ती जईम रजा ने नमाज पढ़ाई। इस मौके पर दरगाह प्रमुख हजरत मौलाना सुब्हानी मियां, सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां समेत आला हजरत परिवार के लोग और बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। जकात और फितरा जल्द अदा करने की अपील नमाज के बाद सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने कहा कि रमजान के आखिरी जुमे को जुमा-तुल-विदा कहा जाता है और इस दिन कोई अलग नमाज नहीं होती, बल्कि अन्य जुमों की तरह दो रकात फर्ज नमाज अदा की जाती है। उन्होंने बताया कि जो शख्स रोजा न रख सके, उस पर भी सदका-ए-फितर वाजिब होता है। इसलिए जकात और फितरा जल्द अदा कर देना चाहिए, ताकि जरूरतमंद लोग भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। शहर की मस्जिदों में अकीदत का माहौल दरगाह ताजुश्शरिया पर दोपहर दो बजे नमाज अदा की गई। इसके अलावा खानकाह-ए-नियाजिया, दरगाह शाह शराफत अली मियां, दरगाह शाहदाना वली, दरगाह वली मियां, दरगाह बशीर मियां, खानकाह-ए-वामिकिया, नौमहला मस्जिद, सुनहरी मस्जिद, साबरी मस्जिद, हबीबिया मस्जिद, छः मीनारा मस्जिद, बीबी जी मस्जिद, मोती मस्जिद और कचहरी वाली मस्जिद समेत शहर की सभी मस्जिदों में तय समय पर नमाज अदा की गई।

सिलेंडर की कालाबाजारी पर प्रशासन सख्तङ्क कई गैस एजेंसियों पर छापा, स्टॉक और रिकॉर्ड खंगाले

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। एलपीजी गैस की कालाबाजारी और ओवर रेटिंग पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के बाद शुक्रवार को जिला पूर्ति विभाग की टीम ने शहर की कई गैस एजेंसियों और उनके गोदामों पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान गैस सिलेंडरों के स्टॉक और वितरण व्यवस्था का बारीकी से मिलान किया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से एजेंसी संचालकों में हलचल देखी गई।

जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि टीम ने शहर में संचालित कुणाल इंडियन गैस (कैंट), गणेश गैस इंडियन गैस सर्विस (कचहरी), चंद्र गैस सर्विस (हार्टमैन कॉलेज रोड) और सुरक्षा एसपी गैस सेटेलाइट एजेंसी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एजेंसी कार्यालय के साथ-साथ गोदामों का भी निरीक्षण किया और वहां मौजूद गैस सिलेंडरों की स्थिति देखी।

ऑनलाइन स्टॉक से किया गया मिलान

निरीक्षण के दौरान गोदामों में मौजूद गैस सिलेंडरों के स्टॉक का एजेंसी के ऑनलाइन रिकॉर्ड से मिलान कराया गया। जांच में स्टॉक पूरी तरह सही पाया गया और मौके पर किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों को उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

ओवर रेटिंग पर कार्रवाई की चेतावनी

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एजेंसी मालिकों और प्रबंधकों को साफ चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे लेने या गैस वितरण में लापरवाही की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि सिलेंडर की बुकिंग मिलते ही उपभोक्ताओं के घर तक जल्द से जल्द रिफिल पहुंचाई जाए।

पूरे जिले में चलेगा निरीक्षण अभियान

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले में संचालित सभी गैस एजेंसियों की समय-समय पर जांच की जाएगी। इसके लिए संबंधित उपजिलाधिकारी और क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसियों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की कालाबाजारी या ओवर रेटिंग पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, पूर्ति निरीक्षक शिखा तिवारी और आपूर्ति लिपिक आशीष कुमार मौजूद रहे।

यूपी के इस जिले में अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़, एएनटीएफ की छापेमारी में फसल बरामद आरोपी फरार, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले के सिरौली क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती का बड़ा मामला सामने आया है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संयुक्त टीम ने गुरवा गांव में छापेमारी कर अवैध रूप से उगाई जा रही अफीम की फसल और उससे बनने वाले उपोत्पाद बरामद किए हैं। इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जबकि दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

सूचना पर पहुंची संयुक्त टीम

पुलिस के अनुसार एएनटीएफ थाना सहारनपुर और एएनटीएफ यूनिट बरेली की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि सिरौली थाना क्षेत्र के गुरवा गांव में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने तत्काल छापेमारी की योजना बनाई। छापेमारी के दौरान टीम ने राजेश्वर नामक व्यक्ति के खेत में अफीम की खड़ी फसल देखी। मौके पर अफीम से जुड़े अवैध उपोत्पाद भी बरामद किए गए। पुलिस ने पूरी फसल को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

दो आरोपियों पर दर्ज हुआ मुकदमा

इस मामले में सिरौली थाने में राजेश्वर और छत्रपाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परिषदीय विद्यालयों में अराजक तत्वों के प्रवेश पर लगाई जाए रोक

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बरेली की टीम ने जिला बेसिक अधिकारी के जिले से बाहर होने की वजह से उनके कार्यालय में एक ज्ञापन रिसीव कराया। इस ज्ञापन में संगठन के जिलाध्यक्ष जितेंद्र पाल सिंह और उनकी टीम द्वारा कहा गया है कि बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में बाहरी अराजक तत्वों का बिना किसी आवश्यक कार्य के आना जाना बना रहता है और कोई आदेश न होने के कारण उन्हें विद्यालय आने के लिए शिक्षकों द्वारा मना भी करने में काफी मुश्किलें भी होती है। जिलाध्यक्ष जितेंद्र गंगवार द्वारा बताया गया कि अभी कुछ दिन पूर्व एक बाहरी अराजक तत्व द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय भरतौल के छात्रों के साथ मारपीट की गई थी, जिसके बाद दोषी व्यक्ति पर एफआईआर की कार्यवाही हुई थी।इस समस्या को लेकर संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि छात्र-छात्राओं की विद्यालय समयावधि में सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में बाहरी अराजक तत्वों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध का आदेश जल्द से जल्द जारी किया जाए। जिला मंत्री गिरजेश कुमार द्वारा कहा गया कि अगर इस संबंध में अगले सप्ताह तक आदेश जारी नहीं होता है तो संगठन पुनः जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर अपनी मांग को मजबूती के साथ उनके समक्ष रखेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र गंगवार, ऋतु मिश्रा, अरविंद चौधरी, पुष्कर उपाध्याय, अजय कुमार, अरविंद गंगवार, राहुल सिंह, अतुल सिंह, अमित गंगवार शिक्षक मौजूद रहे।

कालेश्वर नाथ मंदिर में स्थापित हुई शिव परिवार की मूर्तियां

दैनिक बुलन्द मंज़िल

डेढ़ सौ वर्ष पुराने बाबा कालेश्वर नाथ मंदिर में आज क्षेत्रवासियों ने गौरीशंकर परिवार की मूर्ति स्थापना कराई,

बिहारीपुर खत्री धर्मशाला स्थित बाबा कालेश्वर नाथ मंदिर में सुबह प्राण प्रतिष्ठा व हवन पूजन हुआ तत्पश्चात क्षेत्र में मूर्तियों की प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए उसके बाद मंदिर में मूर्ति स्थापित कर कढ़ी चावल का भंडारा आयोजित किया गया,

आज मूर्ति स्थापना के दौरान व्यापारी नेता विशाल मेहरोत्रा ,आनंद कक्कड़, नितिन मल्होत्रा, मुकेश मेहरोत्रा,विनीत कक्कड़,सागर मेहरोत्रा, अनुराधा मेहरोत्रा, आनंद टंडन, बाबूजी, शिवाली, पूर्णिमा मेहरा, मनोज गोस्वामी,नितिन मेहरोत्रा,शिवम शर्मा,अंकुर खंडेलवाल ,आदि बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कलयुग के राजा श्री श्याम सरकार की कूप में जली ज्योत, मची धूम , हुई पुष्प वर्षा

" सारी दुनिया कहे कि ये गया काम से जिसकी प्रीत लगी श्याम से " : गायक खुशबू राधा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

शाहबाद रामपुर। गुरुवार को गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी हनुमान मूर्ति के पास कूप में छठा श्री श्याम संकीर्तन का भव्य महोत्सव आयोजित हुआ। जिसमें वृंदावन की खुशबू राधा ने शमा बांध दिया श्री श्याम भजन " सारी दुनिया कहे कि ये गया काम से जिसकी प्रीत लगी श्याम से , ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया सिरौली , मिलक , रामपुर, शाहबाद

चंदौसी मुरादाबाद , बरेली, आदि से आए श्याम प्रेमियों ने जमकर आनन्द लिया जिस दौरान अन्य कलाकार अनु पगली मुरादाबाद, आचार्य विपिन वशिष्ठ, गौरव शर्मा, अरनव सक्सेना के द्वारा सुंदर-सुंदर भजनों से श्री श्याम एवं श्री बाला जी, नवदुर्गे माता आदि शक्ति का गुणगान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में कमेटी पदाधिकारी महेश चंद्र गुप्ता , कुलदीप सिंह गंगवार , विरजन सिंह राठौर, भीष्म पाल सिंह , गौरव चौहान , राहुल चौहान, राजकुमार गुप्ता, श्याम , विनय शर्मा, शुभम अग्रवाल , हितेश शर्मा , गंगा सहाय गुप्ता उर्फ. पप्पू , विश्व विख्यात मनोना धाम श्री श्याम मंदिर आंवला मीडिया प्रभारी रामपुर विनोद गुप्ता , सुखपाल सिंह , समस्त ग्रामवासी आदि मौजूद रहे ।

शाहबाद में हुई अलविदा जुमे की नमाज, शांतिपूर्ण संपन्न

दैनिक बुलन्द मंज़िल
/विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर । शहर की मस्जिदों में अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। इस दौरान शहर भर की मस्जिदों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।रमजान के पवित्र महीने के आखिरी जुमे पर अदा की जाने वाली अलविदा की नमाज में बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। यह नमाज शहर की सभी मस्जिदों में खुशी-खुशी अदा की गई।मोहल्ला

वेदांन की इलाही मस्जिद के इमाम कारी साजिद रजा ने अपनी तकरीर में सभी मुस्लिम भाइयों से आगामी ईद का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। वहीं, मुस्तफा मस्जिद के इमाम मुमताज रजा ने रोजे और इस्लाम की फजीलत के बारे में बताया और नबी की सुन्नतों पर अमल करने की हिदायत दी।शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्राधिकारी देवकीनंदन और कोतवाली प्रभारी प्रदीप कुमार ने शहर में लगातार पैदल मार्च किया। पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी मस्जिदों पर मौजूद रहे और स्थिति पर नजर रखी।शाहबाद की सभी मस्जिदों में अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई ।

CMYK

AI in Creative Media: Innovation or Ethical Challenge?

Dr Kinny Garg
Associate Professor
AMC Engineering College

Artificial intelligence is no longer confined to science labs or complex data analysis. Today, AI can compose music, generate paintings, write articles, edit videos, and even create realistic human voices. In the realm of creative media, machines are becoming collaborators. However, as AI's role in creativity expands, important ethical questions about ownership, fairness, and truth also arise.

AI-powered tools are transforming how content is produced. Graphic designers use AI to generate visual concepts in seconds, while musicians experiment with AI-generated melodies. Journalists utilize AI to summarize reports and quickly analyze large amounts of data. Film editors rely on AI to enhance visuals and automate repetitive tasks. These technologies save time, reduce costs, and make creative tools accessible to individuals without professional training. In many ways, AI is broadening creative possibilities rather than constraining them.

However, this rapid evolution also brings significant concerns. One major issue is ownership. If an AI system creates a painting or writes an article, who owns the final product? Is it the individual

Artists argue that their work is being used unfairly, with AI imitating their styles without credit or compensation. This has led to protests and legal debates about how to protect creative professionals in the digital age.

who used the tool, the company that developed the AI, or no one at all? Copyright

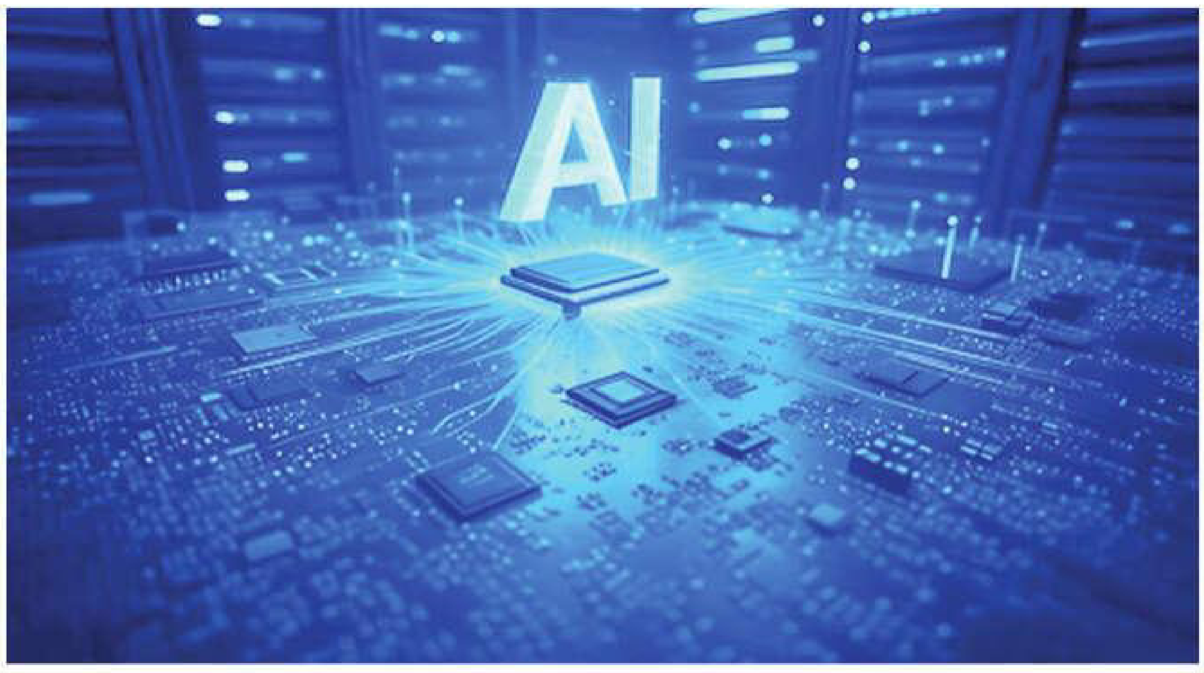

laws around the world are still struggling to address this question, leaving creators and businesses in a state of confusion. Another ethical concern is how AI systems are trained.

Many AI models learn by analyzing vast collections of existing art, music, books, and photographs—often without the original creators' knowledge or consent. Artists argue that their work is being used unfairly, with AI imitating their styles without credit or compensation. This has led to protests and legal debates about how to protect creative professionals in the digital age.

The rise of deepfakes adds another layer of risk. AI can now produce highly realistic fake videos and audio recordings of people saying or doing things they never did. Such content can spread misinformation, damage reputations, and even influence public opinion during elections. When fake content appears real, trust in the media diminishes, making it harder for people to discern what is true.

Concerns about job losses also loom large. Writers, illustrators, voice actors, and video editors fear that companies might replace human talent with cheaper AI alternatives. While some tasks may be automated, experts emphasize that new jobs are emerging in areas such as AI supervision, content verification, and ethical technology development. The future may not be about humans versus machines but about humans working alongside them.

This is where media ethics plays a crucial role. News organizations and content creators must be transparent about their use of AI. Audiences deserve to know whether a machine produced an image, voice, or article. Media professionals should also verify AI-generated information carefully to prevent the spread of false or misleading content.

Governments and technology companies are beginning to establish rules and guidelines for responsible AI use, but public awareness is equally important. Teaching media literacy can help people critically evaluate what they see and hear online.

AI is a powerful creative partner, but strong ethical principles must steer its application. The future of media will depend not only on intelligent machines but also on the wisdom and responsibility of the humans who use them.

Sleep-wake Treatment

Promoting adequate sleep in adolescent night owls aligns adolescents' biology with their educational requirements.

School systems aren't designed for youngsters who sleep late and get up late, or "night owls," which may help explain why this group of teenagers is more prone to depression.

Now, researchers at UC San Francisco have found a way to help these kids adjust to their natural sleep-cycle rhythms while still fulfilling their school responsibilities.

The findings are a welcome sign for adolescents with depression, who are more likely than most to report staying up late.

While 40% of teens overall report being night owls, in those with depression, 80% report late-night sleep patterns.

The key to success with the current intervention was teaching the night owls to structure their lives so they could sleep as late as possible, while gently training their bodies to fall asleep a little earlier.

"A big finding here is that there is a subgroup of teens for whom treating sleep is particularly important for improving depression symptoms," said Lauren Asarnow, PhD, a clinical psychologist with UCSF Health who specializes in sleep health. "And the other big finding is that they really need to be able to live a life that is more in line with their sleep-wake biology.The study,

published in August in the Journal of Child Psychology and Psychiatry, analyzed data from 42 participants with clinical depression who had been part of a larger study of 176 night-owl adolescents. Twenty-four of these adolescents received the intervention, called the Transdiagnostic Sleep and Circadian Intervention (TransS-C), and 18 received educational sessions on how to lead a healthy lifestyle. All participants kept sleep diaries and wore devices that measured the quality of their sleep. They also received 45-minute therapy sessions each week for eight weeks.

At the beginning of the study, all of the teens scored at least 40 on the Children's Depression Rating Scale, a level that indicates clinically significant depression. A score of 28 or lower indicates remission. Six months after the treatment, the intervention group's average score had fallen to 21.67, compared to 32.5 for the group that received the healthy lifestyle intervention. At 12 months post-treatment, the intervention scored 24.97, while controls were at 32.75.

What Your Eye Movements Suggest

Researchers all across the world are looking for tangible clues of what is going on inside our heads when we consider issues and make judgements. They are looking for the ability to probe the mind's invisible workings by monitoring subtle signals from the body.

Tohoku University research has discovered a relationship between eye movements and certain types of decision-making. Kazumichi Matsumiya and Shota Furukawa at the university's Graduate School of Information Sciences reported their findings in the journal Communications Biology.

"Our work has revealed that eye movements that are not related to the visual requirements for decision-making are nevertheless affected by the process of making decisions," says Matsumiya.

Previous research in the field has analyzed how eye and hand movements affect decision-making, but did not look at the issue from the other direction to investigate if decision-making affects eye and hand movements.

The new research was conducted to assess the validity of the previous general assumption that motor movements, such as by the eyes or hand, will not be affected by decision-making activities in situations where the movements are not directly related to making the decision.

The Tohoku University researchers instructed participants to move their eyes and right hand towards targets that were not relevant to an ongoing

The Tohoku University researchers instructed participants to move their eyes and right hand towards targets that were not relevant to an ongoing perceptual decision-making task.

perceptual decision-making task. Participants were first given a separate task where they were asked to decide and report on the direction of movement of a visual stimulus that was briefly presented on the display. This was defined as a perceptual decision-making task. The participants then performed the task in which their eye and hand motor movements were irrelevant to their decision-making. Comparing the results of the two tasks allowed the research team to identify and measure any effects of decision-making on eye and hand movements that were irrelevant to the decisions.

Benefits of Turmeric

Researchers discovered that a natural component found in the culinary spice turmeric may be as effective as omeprazole, a medication used to treat gastrointestinal symptoms by decreasing excess stomach acid.

The research was published in the journal BMJ Evidence-Based Medicine.

Turmeric is extracted from the root of the Curcuma longa plant. It contains curcumin, a naturally active substance with anti-inflammatory and antibacterial properties that have long been utilised in Southeast Asian medicine, particularly for the treatment of dyspepsia.

However, due to a lack of head-to-head studies, it is unknown how well it compares to traditional drugs for this application.

As a result, the researchers randomly allocated 206 individuals aged 18-70 with recurring upset stomach (functional dyspepsia) of unknown cause recruited from Thai hospitals between 2019 and 2021 to one of three therapy groups for a 28-day period.

Turmeric (two big 250 mg curcumin capsules four times per day) and one small dummy capsule (69 patients); omeprazole (one small 20 mg

At the outset of the research, patients in all three groups had identical clinical features and indigestion scores, as measured by the Severity of Dyspepsia Assessment score, or SODA.

capsule daily and two large dummy capsules four times

per day (68 patients); and turmeric plus omeprazole (69 patients).

Omeprazole is a proton pump inhibitor, sometimes known as a PPI. PPIs are used to treat functional dyspepsia, a condition characterised by symptoms such as feeling overly full after eating (postprandial fullness), feeling full after only a small amount of food (early satiety), and discomfort and/or burning sensations in the stomach and/or food pipe (epigastric pain).However, long-term PPI use has been associated with increased fracture risk, nutritional deficiencies, and an increased risk of infections, according to the study.

The trial had 151 participants, with 20 in the curcumin group, 19 in the omeprazole group, and 16 in the combined treatment group dropping out.

At the outset of the research, patients in all three groups had identical clinical features and indigestion scores, as measured by the Severity of Dyspepsia Assessment score, or SODA. Patients were evaluated again after 28 days and again after 56 days.

SODA scores showed substantial reductions in symptom severity by day 28 for pain (4.83, -5.46, and 6.22) and other symptoms (2.22, -2.32, and 2.31) in the combination, curcumin alone, and omeprazole alone groups.

After 56 days, these improvements were considerably stronger for pain (7.19, -8.07, and 8.85, respectively) and other symptoms (4.09, -4.12, and 3.71, respectively).

Dhurandhar returns a week before sequel hits theatres

The first part of the Ranveer Singh-starrer 'Dhurandhar' franchise is set to make its way to the theatres once again, a week ahead of the release of the 2nd part.

The blockbuster is set for a rare international re-release. The rare and exciting theatrical re-release will span approximately 500 screens worldwide, including 250 screens across India beginning March 12 and 250 overseas, beginning March 13.

While re-releases of major films have occasionally been seen in India, international re-releases of Hindi films remain extremely rare, making this move a significant moment for the franchise and a testament to the immense global demand for Dhurandhar. In North America alone, the film will return to theatres across nearly 185 screens, signalling the extraordinary anticipation for the next chapter.

Adding to the excitement, 'Dhurandhar: The Revenge' will host special Wednesday premiere shows across the USA and Canada on March 18, a day ahead of its global release. These premieres will take place largely on Premium Large Format (PLF) screens, which feature expansive wall-to-wall screens, immersive sound systems such as Dolby Atmos, enhanced projection, and luxury seating, formats typically reserved for major Hollywood event films. The mid-week premieres are already witnessing sold-out shows, underscoring the massive demand and the scale at which the sequel is poised to arrive. Presented by Jio Studios, 'Dhurandhar: The Revenge' is a B62 Studios production, and is helmed by Aditya Dhar. The story of unknown men will bow in cinemas worldwide on March 19, 2026, on the occasion of Gudi Padwa and Ugadi, and ahead of Eid. The high-octane spy-action thriller is written, directed and produced by Aditya Dhar and produced by Jyoti Deshpande and Lokesh Dhar. The film will be released in five languages, Hindi, Tamil, Telugu, Malayalam and Kannada.

Yami Gautam's sweet birthday wish for Aditya Dhar

Bollywood star Star Yami Gautam, in Thursday, took to her social media account to pen a heartfelt birthday wish for her husband, filmmaker Aditya Dhar on the 12th of March. Sharing a couple of pictures on her social media account, the doting wife expressed her love for her husband Aditya and called him as her "one and only".

Along with sharing a few photos of the two, Yami wrote, "If only there were enough words to describe what you mean to me...To my one & only, Aditya !!! Happy Birthday, love."

In the first picture, the couple is seen enjoying a sunny day in a scenic mountainous landscape.

The second picture features a mirror selfie clicked at a gym where Yami is seen wearing a red sweatshirt and black tights while holding the phone, as Aditya stands beside her in a black hoodie and cap.

On the professional front, Yami Gautam was last seen in the superhit movie, Haq, where she starred opposite Emraan Hashmi.

The film went onto receive a great response from audiences for its storyline as well as Yami's performance.

Meanwhile, Aditya Dhar has been currently ruling the roost in Bollywood with his December release Dhurandhar, which went on to become a blockbuster hit.

The film starred Ranveer Singh, Sanjay Dutt, R. Madhavan and Akshaye Khanna in pivotal roles. The sequel, titled Dhurandhar 2, is all set to release on March 19 this year. Talking about the couple, Yami Gautam and Aditya Dhar tied the knot in June 2021 in an intimate ceremony in Himachal Pradesh.

Genelia D'Souza tells moms: *choose progress over perfection*

Actress Genelia D'Souza, who is also a mother of two boys - Riaan and Rahyl, reminded all the mothers out there that when it comes to fitness, they should 'focus on progress and not perfection'.

She took to the Stories section of her official Instagram handle and dropped a picture of herself from her latest session at the gym.

Holding a water bottle in one hand, Genelia was seen flaunting her black sweatshirt, which had the print, "Aai" in the back.

In the caption, she shared a little reminder of herself and all the other mothers, saying, "Aai at the gym...Focus on progress... Not perfection... A little reminder to myself and all the mum's out there. (sic)."

Even at 38, Genelia maintains a toned physique with the girl-next-door charm intact. Genelia often shares precious family moments with her boys on social media.

On Monday, the 'Sitaare Zameen Par' actress treated her InstaUsers with a video of her younger son Rahyl trying to comfort their ailing pet dog Flash.

The clip showed a visibly unwell Flash resting on the floor while wearing a protective cone around his neck.

As their four-legged friend lay quietly, Rahyl stayed beside Flash, making sure his furry friend wasn't feeling lonely.

Sharing the emotional moment full of compassion and love between the boy and his furry friend, Genelia wrote, "When Flash doesn't feel too well, Little Rahyl makes sure he doesn't leave his side ... Hai main marjavaan. (sic)." Before this, Genelia expressed her delight on social media as Rahyl was honoured with the 'player of the match' title at his recently held football tournament.

Akshay Kumar calls Yash Chopra among cinema's finest directors

Bollywood hunk Akshay Kumar called late filmmaker Yash Chopra one of Indian cinema's 'finest directors' during the latest episode of the reality game show "Wheel of Fortune".

The episode will have actors Gaurav Gera, Rakesh Bedi, and Ayesha Khan joining Akshay, creating humour and lively energy on the stage.

An emotional moment was created during one of the puzzle rounds on "Wheel of Fortune" when contestant Gaurav Gera came close to solving the puzzle but couldn't quite crack the answer.

Seeing this, host Akshay approached the audience, inviting them to try their luck.

One of the members from the audience quickly guessed the correct answer, 'Yash Chopra.'

The answer made Akshay remember the legendary filmmaker.

With his voice full of admiration, the 'Airlift' actor said, "Yash Chopra hamare Indian film industry ke behtareen directors mein se ek the. (Yash Chopra was one of the best directors of our Indian film industry)."

Later during the episode, Akshay and Gaurav decide to take a nostalgic trip down memory lane and talk about the films they have worked on together.

For the unaware, these two have shared screen space in the 2014 film "The Shaukeens" and reunited 10 years later for "Bade Miyan Chote Miyan" in 2024.

"Wheel of Fortune" airs from Monday to Friday at 9:00 PM only on Sony Entertainment Television and also streams on Sony LIV. In another update, Akshay has joined forces with filmmaker Priyadarshan after 14 years for the promising horror comedy, "Bhooth Bangla".

On Thursday, the makers treated the movie buffs with the exciting teaser from the highly anticipated drama.

The preview provides a glimpse into the spooky yet entertaining world of Mangalpur, where no one gets married, as they fear the arrival of an unfamiliar entity called Vadhusur. Jointly backed by Akshay Kumar, Shobha Kapoor, and Ektaa R Kapoor, "Bhooth Bangla" is set to reach the cinema halls on 10th April.

Kylie Jenner drops *hint about more babies*

Reality star Kylie Jenner has shared that she would like to welcome more children. The 28-year-old media personality is focusing on herself before she hits the big 3-0 on August 10, 2027, amid having thoughts about giving her daughter Stormi, eight, and son Aire, four, another sibling.

Kylie, who has her children with her 34-year-old ex-partner, rapper-and-singer Travis Scott, reports 'Female First UK'.

She told 'Vanity Fair' magazine, "In the last years of my 20s, I want to focus on just me, my businesses, my work, travelling with my kids, enjoying my kids, and then I do want to have more kids".

Following her split from Travis in January 2023, Kylie has been in a relationship with 'Marty Supreme' actor Timothee Chalamet, who has previously said he wants to be a dad.

As per 'Female First UK', in January, Timothee, 30, won the Critics' Choice Award for Best Actor for his role as Marty Mauser in the 1950s-set ping-pong drama, loosely based on the real-life table tennis great Marty Reisman's journey to becoming a champion in table tennis.

And in his acceptance speech, he thanked his "partner of three years", adding, "Thank you for our foundation. I love you. I couldn't do this without you. Thank you from the bottom of my heart".

Kylie rested her chin on her folded hands as she mouthed back, "I love you". Khloe, who has her daughter, as well as a son named Tatum, three, with her 34-year-old ex-partner, basketball player Tristan Thompson, initially said "never say never" to a third child, but noted she would want to have a baby with her future husband.

During a recent episode of her 'Khloe in Wonder Land' podcast, she said, "Or, I have thought, maybe, I do have a few more embryos in the freezer. And I was like, I don't think I have the energy for another baby, but I do think girls need sisters. And it could just be how I was raised, like I feel like Tatum is gonna be fine, but a girl needs her sister, and I think maybe because that was my experience (with Kourtney Kardashian, Kim Kardashian, Kendall Jenner and Kylie Jenner)". However, Khloe does not know if she could cope with having a third child.

खबर प्रकाशित होने के बाद भी नहीं जागा स्वास्थ्य विभाग

बिलारी में फर्जी अस्पताल का खुला खेल जारी

दैनिक बुलंद मंज़िल

मुरादाबाद ब्यूरो। थाना बिलारी क्षेत्र में फर्जी अस्पताल के संचालन का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर मामले को लेकर 11 मार्च को दैनिक बुलंद मंज़िल ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की कथित सांठगांठ के चलते पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि थाना बिलारी से चंद कदमों की दूरी पर एक कथित अस्पताल लंबे समय से संचालित किया जा रहा है। आरोप है कि यह अस्पताल बिना किसी वैध मान्यता और आवश्यक मानकों के धड़ल्ले से चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां झोलाछाप प्रदीप कुमार द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जबकि उसके पास कोई मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री नहीं है। इसके बावजूद वह खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों का उपचार कर रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस अस्पताल में छोटे-मोटे इलाज से लेकर गंभीर बीमारियों तक का उपचार किया जाता है। यहां मरीजों को भर्ती करने की सुविधा भी दी जा रही है और दवाइयों के साथ-साथ इंजेक्शन भी लगाए जा रहे हैं। बिना प्रशिक्षित डॉक्टर और उचित चिकित्सा व्यवस्था के इस तरह इलाज किया जाना मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

लोगों का आरोप है कि अस्पताल में न तो पर्याप्त चिकित्सा उपकरण मौजूद हैं और न ही आपातकालीन स्थिति से निपटने की कोई ठोस व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद मरीजों से इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। आसपास के ग्रामीण जानकारी के अभाव में या मजबूरीवश यहां इलाज कराने पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी जान को भी खतरा बना रहता है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि थाना बिलारी के बेहद करीब यह फर्जी अस्पताल खुलेआम संचालित हो रहा है, फिर भी स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार इस संबंध में शिकायत भी की गई, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है।

क्षेत्र में चर्चा यह भी है कि खबर प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारियों की अस्पताल संचालक से सांठगांठ हो गई

दैनिक बुलन्द मंज़िल | मुरादाबाद | संभल बुधवार, 11 मार्च 2026 | Daily Bilingual News Paper (Hindi & English) | 04

स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान? अवैध रूप से संचालित क्लिनिक सील होने के बाद दोबारा खुले

मुरादाबाद(बुलन्द मंज़िल)। मुरादाबाद के बिलारी क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों का धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के बावजूद एक सील किया गया क्लिनिक दोबारा चालू होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिना किसी डिग्री के प्रदीप नाम का व्यक्ति 'बच्चा क्लिनिक' के नाम पर मेडिकल स्टोर की आड़ में मरीजों का इलाज कर रहा है। इतना ही नहीं, वह खुलेआम यह भी कहता है कि वह स्वास्थ्य विभाग को हर महीने पैसा देता है, इसलिए उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। इस पूरे मामले ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डिग्री नहीं, फिर भी डॉक्टर बन बैठा प्रदीप! बच्चा क्लिनिक पर उठे सवाल

कार्रवाई बेअसर: सील हुआ क्लिनिक फिर चालू, झोलाछाप बोला- स्वास्थ्य विभाग को देता हूं महीना

स्वास्थ्य विभाग

दवा के साथ इलाज भी, बिलारी में मेडिकल स्टोर बना अस्पताल

बिलारी में फर्जी अस्पताल का खुला खेल, स्वास्थ्य विभाग बना मूकदर्शक

और कथित रूप से मोटी रकम लेकर उसे क्लीनिक चलाने का प्रमाण पत्र दे दिया गया। हालांकि इस मामले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इलाके में इस तरह की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं और लोग विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों और क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों और फर्जी अस्पतालों पर कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

फिलहाल यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अब देखना यह होगा कि खबर प्रकाशित होने के बाद भी खामोश बैठे जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में कब तक कोई ठोस कदम उठाते हैं।

मुरादाबाद के ग्राम मछरिया में बिना बोर्ड के चल रहा क्लिनिक, स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग : डॉ कुसुम

परिवार में पत्रकार एवं राजनीतिक संगठन से जुड़े हुए हैं लोग

चिकित्सकीय योग्यता और पंजीकरण है तो उसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना चाहिए

दैनिक बुलंद मंज़िल

मुरादाबाद ब्यूरो। मुरादाबाद के ग्राम मछरिया इलाके में एक निजी क्लिनिक को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यहां डॉक्टर कुसुम नाम की महिला द्वारा इलाज किया जाता है, लेकिन क्लिनिक के बाहर कोई पंजीकरण बोर्ड या चिकित्सकीय योग्यता का विवरण नहीं लगाया गया है।

क्षेत्र के कुछ लोगों के अनुसार उक्त महिला जच्चा-बच्चा से जुड़े उपचार का काम करती हैं और खुद को जीएनएम बताती हैं। क्लिनिक एक दुकान के ऊपर संचालित बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि प्रसूति जैसे संवेदनशील मामलों में योग्य डॉक्टर और उचित सुविधाएं होना जरूरी है, इसलिए इस तरह के केंद्रों की जांच आवश्यक है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब भी कोई व्यक्ति क्लिनिक के संचालन को लेकर सवाल उठाता है तो महिला अपने रिश्तेदारों के प्रभाव का हवाला देती हैं। बताया जाता है कि वह कहती हैं कि उनके परिवार में पत्रकार और एक राजनीतिक संगठन से जुड़े लोग हैं, जिससे लोग उनके खिलाफ बोलने से बचते हैं। क्षेत्र के कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि क्लिनिक संचालक द्वारा यह कहा जाता है कि उनका स्वास्थ्य विभाग से भी संपर्क है और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। हालांकि इन बातों की पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं हो सकी है।

निवासियों का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति के पास वैध चिकित्सकीय योग्यता और पंजीकरण है तो उसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना चाहिए, ताकि मरीजों को भरोसा हो सके। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों की जांच कराई जाए और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो उचित कार्रवाई की जाए, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नई दिल्ली। एथर एनर्जी ने अपने पॉपुलर इलेक्ट्रिक स्कूटर, रिस्टा एस और 450एस पर लिमिटेड टाइम ऑफर की घोषणा की है, जिससे ग्राहक मार्च 2026 तक 20,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। ये ऑफर भारत भर के एथर एक्सपीरियंस सेंटर्स पर 31 मार्च तक उपलब्ध हैं। ये ऑफर ऐसे समय में आया है जब सरकार की पीएम ई-ड्राइव सब्सिडी समाप्त होने वाली है, जिससे अधिक खरीदार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस डिस्काउंट पैकेज में तीन चीजें शामिल हैं : 10,000 रुपये का क्रेडिट कार्ड डिस्काउंट, 6,500 रुपये का कैश डिस्काउंट और 3,500 रुपये मूल्य की एक्सटेंडेड कंपोनेंट्स वारंटी। इन सभी ऑफर्स के साथ, रिस्टा एस की शरुआती कीमत अब 1,04,758 रुपये (एक्स-शोरूम मुंबई) है, जो इसके स्टैंडर्ड कीमत से 10,242 रुपये सस्ती है।

बांध के ऊपरी जलक्षेत्रों में मछली पालन को बढ़ावा देने की नीति

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) ने विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत बाँध के ऊपरी क्षेत्रों और जलाशयों में मत्स्य पालन और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाये हैं। मछली पालन की इन अप्रयुक्त सुविधाओं और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए, मत्स्य पालन विभाग ने सभी राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और हितधारकों के परामर्श से %जलाशय मत्स्य पालन प्रबंधन के लिए मॉडल दिशानिर्देश% तैयार किए हैं और कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को भेजे हैं।

मुंबई से विदेश भेजे गए फल-सब्जियों के कंटेनर वापस लौटे

350 कंटेनरों में खराब होने लगे फल-सब्जियां, पोर्ट से वापसी शुरू

■ नई दिल्ली

अमेरिका इज़राइल ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत के किसानों पर भी दिखाई देने लगा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते विवाद के कारण समुद्री रास्तों पर परेशानी बढ़ गई है। इससे इंटरनेशनल शिपिंग और व्यापार प्रभावित हुआ है। इसका सीधा असर महाराष्ट्र के नासिक जिले के उन किसानों और एक्सपोर्टरों पर पड़ रहा है जो अंगूर और केले को विदेशों में भेजते हैं। कई कंटेनर जो जवाहरलाल नेहरू पोर्ट से विदेशों के लिए निकले थे, अब वापस भारत लौट रहे हैं। इससे किसानों और व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पोर्ट पर फंसे सैकड़ों कंटेनर : पिछले करीब 12 दिनों से युद्ध जैसे हालात के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हो गया है। इंडियन हॉर्टिकल्चर एक्सपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार 350 से ज्यादा कंटेनर, जिनमें जल्दी खराब होने वाले फल और सब्जियां थीं, अलग-अलग पोर्ट पर फंस गए। कुछ कंटेनरों को दुबई के दूसरे पोर्ट की तरफ भेजने की कोशिश की गई, लेकिन वहां भी बहुत ज्यादा लोड होने की वजह से परेशानी बढ़ गई। कई कंटेनर वापस बुला लिए गए और कुछ को दूसरे भारतीय पोर्ट पर उतार दिया गया।

कोल्ड स्टोरेज और खर्च की बढ़ती समस्या : कंटेनर वापस आने से एक्सपोर्टरों के सामने नई समस्या खड़ी हो गई है। पहले से भरे हुए कोल्ड स्टोरेज में माल रखने की जगह कम पड़ रही है। इसके अलावा मजदूरी, बिजली और ट्रांसपोर्ट का खर्च भी बढ़ रहा है। एक्सपोर्टर और कोल्ड स्टोरेज मालिक दोनों ही मुश्किल में हैं।

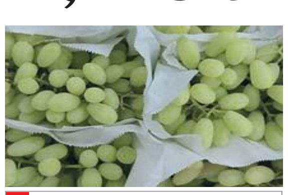

नासिक के अंगूर वापस लौटे

नासिक से दुबई के लिए भेजे गए अंगूर के चार कंटेनर भी वापस लौट आए हैं। इन कंटेनरों में करीब 13 मीट्रिक टन अंगूर भरे थे। इन्हें निफाड़ के एक कोल्ड स्टोरेज में फिर से उतारना पड़ा। अंगूर जल्दी खराब होने वाला फल होता है, इसलिए इसे समय पर बाजार तक पहुंचाना बहुत जरूरी होता है। देरी से अंगूर खराब होने का डर बढ़ गया है। करीब 2 लाख रु. का नुकसान हो चुका है।

केले के व्यापार पर भी संकट

अंगूर के साथ-साथ केले का व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नासिक के एक एक्सपोर्टर संदीप अग्रहरी के 36 कंटेनर अलग-अलग जगहों पर फंसे हुए हैं। कुछ कंटेनर जेएनपीटी पोर्ट पर हैं, कुछ रास्ते में हैं और कुछ दूसरे पोर्ट पर उतार दिए गए हैं। इन कंटेनरों को वापस लाने और कोल्ड स्टोरेज में रखने में करीब एक लाख रुपये तक का अतिरिक्त खर्च आ रहा है।

शिपिंग कंपनियों का नया सरचार्ज

मौजूदा हालात में शिपिंग कंपनियों ने 'वॉर रिस्क चार्ज' भी लगा दिया है। पहले यह चार्ज नहीं था, लेकिन अब 20 फुट कंटेनर पर लगभग 2000 डॉलर, 40 फुट कंटेनर पर 3000 डॉलर और रीफर कंटेनर पर 4000 डॉलर तक अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है। इससे एक्सपोर्ट की लागत अचानक बहुत ज्यादा बढ़ गई है।

किसानों पर पड़ रहा सीधा असर

एक्सपोर्ट रुकने से फलों की कीमतें भी गिरने लगी हैं। पहले केले का एक्सपोर्ट रेट करीब 21 रुपये प्रति किलो था, लेकिन अब यह घटकर लगभग 13 रुपये प्रति किलो रह गया है। इसका सीधा नुकसान किसानों को हो रहा है, क्योंकि उन्हें अपनी फसल कम दाम पर बेचनी पड़ रही है।

खाड़ी संकट एक माह से ज्यादा खिंचा तो उर्वरकों की उपलब्धता पर पड़ सकता है गंभीर असर

पश्चिम एशिया संकट ने भारत में उर्वरकों के उत्पादन और आपूर्ति को लेकर बढ़ाई चिंता

■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर धीरे-धीरे भारत की अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र पर दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से रासायनिक उर्वरक उत्पादन और आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। उर्वरक उद्योग का कहना है कि यदि यह संघर्ष एक महीने से अधिक समय तक लंबा खिंचा तो भारत में उर्वरकों की उपलब्धता पर गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल में उर्वरकों की आपूर्ति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन मौजूदा स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो उत्पादन पर असर पड़ना तय है। इससे आने वाले कृषि सीजन में किसानों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

उद्योगों को गैस आपूर्ति में कटौती शुरू : वहीं दूसरी ओर उद्योगों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति में कटौती की जा रही है। राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जुड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं को पहले

की तुलना में लगभग 80 प्रतिशत गैस ही मिलेगी। इसके पीछे कारण यह बताया गया है कि मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली गैस और तेल की शिपमेंट में बाधा आई है। कई सप्लायर कंपनियों ने फोर्स मेज्योर यानी आपात स्थिति की धारा लागू कर दी है, जिससे सामान्य आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी), परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी और एलपीजी उत्पादन के लिए गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। इन क्षेत्रों को पिछले छह महीनों की औसत खपत के बराबर यानी लगभग 100 प्रतिशत गैस दी जाएगी।

एसबीआई ने रूसी तेल से जुड़े कुछ भुगतान रोके : अन्य क्षेत्रों जैसे पेट्रोकेमिकल और बिजली उत्पादन इकाइयों की गैस आपूर्ति में कटौती की जा सकती है। इसी बीच रूस से कच्चे तेल के भुगतान को लेकर भी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने रूस से तेल खरीद से जुड़े कुछ भुगतान अस्थायी रूप से रोक दिए हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि रूस पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण वैश्विक वित्तीय लेन-देन में अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए कुछ छूट दी गई, लेकिन बैंक अभी भी सावधानी बरत रहे हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी प्रतिष्ठा और वित्तीय संबंधों पर नकारात्मक असर न पड़े। माना जा रहा है इस घटनाक्रम के बावजूद भारत में आयातित महंगाई फिलहाल बहुत तेजी से नहीं बढ़ेगी।

उर्वरक उत्पादन में गैस महत्वपूर्ण घटक

भारत में यूरिया और फॉस्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यदि गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है तो उर्वरक कारखानों का उत्पादन भी कम हो सकता है। सरकार ने इस स्थिति को देखते हुए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। आदेश के अनुसार उर्वरक संयंत्रों को पिछले छह महीनों की औसत गैस खपत का लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उत्पादन पूरी तरह से बंद न हो। हालांकि यह भी कहा गया है कि यह आपूर्ति परिचालन उपलब्धता के आधार पर होगी।

भारत समेत 16 देशों के खिलाफ अमेरिका ने शुरू की जांच

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अनुचित व्यापार मिला तो लगाएंगे भारी टैक्स

अमेरिका की सरकार एक बार फिर अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ का दबाव बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खाने के बाद भारत, चीन और यूरोपीय संघ समेत कुल 16 देशों के खिलाफ सेक्शन 301 के तहत नई व्यापारिक जांच शुरू की है। इस प्रावधान के जरिए अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि उसे किसी देश की व्यापारिक नीतियां अनुचित लगती हैं या अमेरिकी कंपनियों को नुकसान पहुंचा रही हैं, तो वह उस देश के उत्पादों पर अतिरिक्त टैक्स या अन्य प्रतिबंध लगा सकता है।

यूएस शीर्ष कोर्ट ने टैरिफ को अवैध करार दिया-हाल ही में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन द्वारा पहले लगाए गए वैश्विक टैरिफ को अवैध करार दिया था। इसके बाद प्रशासन ने अस्थायी तौर पर 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया था।

सालाना आधार पर हेडलाइन रिटेल महंगाई में 47 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी

फरवरी में बढ़कर 3.21% रही खुदरा महंगाई दर, 3.47% पर पहुंची खाद्य महंगाई

■ नई दिल्ली

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आधार पर देश में खुदरा महंगाई दर फरवरी माह में बढ़कर 3.21 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह दर जनवरी में दर्ज 2.75 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। साल-दर-साल आधार पर देखें तो हेडलाइन रिटेल महंगाई में 47 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फरवरी का यह आंकड़ा सरकार द्वारा शुरू की गई नई सीपीआई श्रृंखला के तहत दूसरा डेटा है। इस नई श्रृंखला में आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 कर दिया गया है। फरवरी में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक या सीपीआई 104.57 पर पहुंच

गया, जबकि जनवरी में यह 104.45 था।

शहरी और ग्रामीण महंगाई में दिखा अंतर : सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर में भी अंतर देखने को मिला है। फरवरी में ग्रामीण महंगाई दर 3.37 प्रतिशत रही, जबकि शहरी महंगाई दर 3.02 प्रतिशत दर्ज की गई। खाद्य महंगाई, जिसे उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) से मापा जाता है, फरवरी में 3.47 प्रतिशत रही। यह जनवरी में दर्ज 2.13 प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर 3.46 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.48 प्रतिशत दर्ज की गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फरवरी 2026 में जनवरी 2026 की तुलना में टमाटर, मटर और फूलगोभी के सूचकांक में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई।

आवास महंगाई दर 2.12 प्रतिशत रही : फरवरी के लिए साल-दर-साल आधार पर आवास महंगाई दर 2.12 प्रतिशत (प्राविधिक) दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में आवास महंगाई दर 2.43 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 2.00 प्रतिशत दर्ज की गई। सरकार ने हाल ही में सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करते हुए नई श्रृंखला लागू की है। जनवरी में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार नई श्रृंखला में इन्फ्लेशन बास्केट में खाद्य और पेय पदार्थों का वजन पहले की तुलना में कम किया गया है। हालांकि इसके बावजूद यह इन्फ्लेशन बास्केट का सबसे अहम घटक बना हुआ है। संशोधित सीपीआई बास्केट में सेवाओं को पहले की तुलना में अधिक महत्व दिया गया है।

घरेलू खर्च में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ी

इसमें विशेष रूप से आवास, परिवहन और संचार जैसी सेवाओं का भार बढ़ाया गया है। यह बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि समय के साथ घरेलू खर्च में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। सीपीआई के लिए कीमतों का डेटा पूरे देश से एकत्र किया जाता है। इसके लिए 1,400 से अधिक शहरी बाजारों और 1,400 से अधिक गांवों से मूल्य संबंधी जानकारी ली जाती है। सरकार हर माह ग्रामीण, शहरी और संयुक्त श्रेणियों के लिए सीपीआई आंकड़े जारी करती है। इसके साथ ही विभिन्न वर्गों, समूहों और व्यक्तिगत वस्तुओं के सूचकांक तथा राज्य स्तर पर महंगाई से संबंधित डेटा भी प्रकाशित किया जाता है।

तेजी के साथ खुलने के बाद सोना-चांदी में आई नरमी

■ सोना 1.61 लाख के पास, चांदी लगभग 2.67 लाख रुपए पर

■ नई दिल्ली

घरेलू वायदा बाजार में गुरुवार को सोना और चांदी के भाव तेजी के साथ खुले, लेकिन कारोबार के दौरान इनमें सुस्ती देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा भाव शुरुआती बढ़त गंवाते हुए हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों की कीमतों में नरमी का रुख देखा गया। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,010 रुपये की

तेजी के साथ 1,62,799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछले कारोबारी सत्र में इसका बंद भाव 1,61,789 रुपये था। हालांकि बाद में इसमें गिरावट आ गई और यह कॉन्ट्रैक्ट 462 रुपये की कमजोरी के साथ करीब 1,61,327 रुपये पर कारोबार कर रहा था। गुरुवार के कारोबार के दौरान सोने ने 1,62,991 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,61,081 रुपये का निचला स्तर छुआ।